epaper.dehatsandesh.com

3 वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम आयोजित

5 आईसीसी वनडे रैंकिंग: राशिद खान फिर नंबर 1 गेंदबाज

8 भारत में परमाणु ऊर्जा की विकास

न्यूनतम 19 मौसम जम्मू अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-255 | जम्मू तवी, शुक्रवार 17 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

देशभर में कृषि विज्ञान केन्द्रों के नेटवर्क का विस्तार करना आवश्यक: शिवराज सिंह

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में वर्तमान में 731 कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) हैं, जिनके नेटवर्क का विस्तार करने के साथ ही उन्हें छोटे किसानों के हित में मजबूती देना आवश्यक है। शिवराज सिंह गुरुवार को कृषि भवनमेंएक उच्चस्तरीय बैठक में देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों की समीक्षा के मौके पर अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र किसानों तक पहुंच के लिए देशभर में कार्यरत सबसे प्रमुख माध्यम हैं, इनकी भूमिका तकनीकी प्रसार, प्रशिक्षण एवं कृषि नवाचारों को किसानों तक पहुंचाने में है। शिवराज सिंह ने कहा कि केवीके को सरकार की किसान हितैषी नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं को किसानों की भलाई और उनकी जागरूकता के लिए उनके बीच पहुंचाना चाहिए।

बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव डॉ देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।केंद्रीय मंत्री चौहान ने आईसीएआर के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि केवीके की कार्यप्रणाली को सुचारू करने के साथ ही इनकी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए इन्हें समुचित वित्तीय, मानव संसाधन और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, शिवराज सिंह ने के वीकेके में कार्यरत वैज्ञानिकों व कर्मचारियों की योग्यता अनुरूप पदोन्नति और अकादमिक समता सुनिश्चित करने के लिए पहल करने पर भी जोर

> “ केवीके को सरकार की किसान हितैषी नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं को किसानों की भलाई और उनकी जागरूकता के लिए उनके बीच पहुंचाना चाहिए।

दिया। उन्होंने प्रशिक्षण, अनुसंधान विस्तार और कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सभी केवीके में एकरूपता लाने के निर्देश दिए। साथ ही, शिवराज सिंह ने के वीकेके सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के वेतन-भत्ते, पदोन्नति, सेवानिवृत्ति आयु तथा सेवा निवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभ के संबंध में अधिकारियों से समुचित समाधान करने के लिए चर्चा की। इस संबंध में राज्य सरकारों तथा नीति आयोग और केंद्रीय वित्त मंत्रालय के स्तर पर भी समुचित हल के लिए पहल करने के निर्देश केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने दिए।

केंद्र को राज्य का दर्जा देने का अपना वादा निभाना होगा : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 16 अक्टूबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के मौजूदा हालात में सरकार इससे बेहतर कुछ नहीं कर सकती थी। वह सरकार के एक साल पूरे होने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक साल में सरकार के काम से संतुष्ट रहने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि आखिरकार, पाँच साल पूरे होने के बाद जनता ही अपने वोटों के ज़रिए फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि लोग हमारे काम से संतुष्ट हों। मेरा मानना है कि इन परिस्थितियों में हम इससे बेहतर नहीं कर सकते थे लेकिन भविष्य में हम और भी बेहतर करेंगे।

उन्होंने कहा कि जनता इस सरकार का आकलन पाँच साल पूरे होने के बाद कर सकती है। उन्होंने कहा कि हमें जनादेश दस महीने या एक साल के लिए नहीं दिया गया है। हमें पाँच साल सेवा करने के लिए दिए गए हैं। कोई भी सरकार सिर्फ़ एक साल की अवधि में अपने सभी वादे पूरे नहीं कर सकती। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने कैबिनेट में प्रस्ताव पारित करके उसे विधानसभा में लाने का अपना वादा पूरा किया है।

उन्होंने आगे कहा कि दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण के संबंध में, सरकार ने इस संबंध में काम शुरू कर दिया है और आज ही शिक्षा विभाग ने 860 सीपीडब्ल्यू को नियमित किया है, जो पहले मामूली वेतन पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम अपने वादों पर अडिग हैं और पाँच साल की अवधि में वे सभी पूरे हो जाएँगे। सरकार द्वारा किए गए सभी वादों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने होगा।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनका मानना है कि राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद सभी मुद्दों का समाधान हो जाएगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 863 सीपीडब्ल्यू को नियमितीकरण आदेश सौंपे

जम्मू 16 अक्टूबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू प्रांत के विभिन्न जिलों के स्कूल शिक्षा विभाग के 863 संविदा भुगतान कर्मचारियों को नियमितीकरण के आदेश सौंपे। इस अवसर पर समग्र शिक्षा के तहत विद्या समीक्षा केंद्र का औपचारिक शुभारंभ भी किया गया और जम्मू-कश्मीर में शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई नई आईसीटी और विश्लेषणात्मक प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किए गए। समारोह में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्री सकीना इत्तू, मुख्यमंत्री के सलाहकार नसीर असलम वानी, विधानसभा सदस्य प्यारे लाल और इंजीनियर खुर्शीद अहमद, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव राम निवास शर्मा, समग्र शिक्षा

परियोजना निदेशक भवानी रकवाल और स्कूल शिक्षा निदेशक जम्मू नसरीन चौधरी उपस्थित थे। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक लंबित मांग के पूरा होने पर संतोष व्यक्त किया और नियमितीकरण की प्रतीक्षा कर रहे सीपीडब्ल्यू की निष्ठा और धैर्य की सराहना की। उन्होंने मंत्री सकीना इत्तू, स्कूल शिक्षा विभाग और प्रशासनिक नेतृत्व के समन्वित प्रयासों की प्रशंसा की

खबर संक्षेप

पुलिस ने बडगाम में यूएपीए के तहत आतंकवादी आका की संपत्ति कुर्क की

बडगाम, 16 अक्टूबर। आतंकी नेटवर्क और उनके सहयोगियों के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए बडगाम पुलिस ने गुरुवार को सक्षम प्राधिकारी से उचित मंजूरी प्राप्त करने के बाद बडगाम के संदीपोरा में स्थित एक दो मंजिला आवासीय भवन सहित 10 मरला भूमि की संपत्ति कुर्क की।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार यह संपत्ति मुजफ्फर हुसैन अली पुत्र स्वर्गीय गुलाम मोहम्मद अली निवासी संदीपोरा बडगाम की है जो पाकिस्तान भाग गया था और उक्त संपत्ति का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कर रहा था।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान यह पता चला कि उक्त व्यक्ति संपत्ति को बेचने और उससे प्राप्त राशि का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए करने के इरादे से उसे बेचने का प्रयास कर रहा था। तदनुसार पुलिस स्टेशन चदूरा में दर्ज एफआईआर संख्या 38/2024 के मामले में गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 25 के तहत अनुमति प्राप्त की गई।

पुलिस के अनुसार उक्त आतंकवादी वर्तमान में पाकिस्तान से सक्रिय है और सीमा पार से राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है।

डोडा शहर में पकड़ा गया तेंदुआ, दूसरे की तलाश जारी

जम्मू, 16 अक्टूबर। वन्यजीव अधिकारियों ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक तेंदुए को पकड़ लिया जबकि दूसरे तेंदुए की तलाश जारी है।दो बड़ी बिल्लियाँ कई दिनों से डोडा शहर के रिहायशी इलाकों में दहशत फैला रही थीं जिसके बाद वन्यजीव विभाग ने उन्हें पकड़ने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अभियान शुरू किया। वन्यजीव अधिकारी मनोहर लाल ने संवाददाताओं से कहा कि हमने सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अभियान तेज कर दिया। टीम ने आज एक तेंदुए को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। दूसरे को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि पकड़े गए तेंदुए को किश्तवाड़ में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बीच अधिकारियों ने क्षेत्र में जंगली जानवरों की मौजूदगी के कारण लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया है।

संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने शुरू किया तलाशी अभियान

जम्मू, 16 अक्टूबर । जम्मू संभाग के उधमपुर जिले में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने गुरुवार को तलाशी अभियान शुरू किया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति लट्टी-डुडु इलाके के किरची गाँव में एक घर में घुसकर नकदी लेकर भाग गए हैं जिसके बाद यह अभियान शुरू किया गया।

जम्मू कश्मीर के युवा अब देश के इतिहास मूल्यों और आकांक्षाओं से गहराई से जुड़ रहे हैं:उपराज्यपाल

श्रीनगर, 16 अक्टूबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि जम्मू कश्मीर के युवा अब देश के इतिहास मूल्यों और आकांक्षाओं से गहराई से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र निर्माण के लिए विविधता, विरासत के साथ संबंध बना रहे हैं और साझा सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा दे रहे हैं। उपराज्यपाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुलगाम में वेशॉ साहित्य महोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। दो दिवसीय साहित्य उत्सव पुस्तकों, नए विचारों को साझा करने और चर्चा करने और विभिन्न रचनात्मक और साहित्यिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए लेखकों, कलाकारों और पाठकों को एक साथ लाकर साहित्य का जश्न मना रहा है। उपराज्यपाल ने कहा कि लिट फेस्ट क्षेत्र की अनूठी

आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक महत्व का भी पता लगाएगा और महिला लेखकों और युवा लेखकों को अपने रचनात्मक कार्यों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम साहित्य की सराहना को बढ़ावा देगा और सामुदायिक बंधन को मजबूत करेगा। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर के प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं ने पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

नाका जाँच के दौरान आतंकी संगठन टीआरएफ के पोस्टर सहित दो लोग गिरफ्तार

बडगाम, 16 अक्टूबर । पुलिस ने गुरुवार को बुद्रन मगाम में नाका जाँच के दौरान दो लोगों को हिरासत में लिया और एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन टीआरएफ के कई पोस्टर बरामद किए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुद्रन मगाम में नाका जाँच के दौरान दो लोगों को हिरासत में लिया गया और उनके पास से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन टीआरएफ के 18 से ज़्यादा पोस्टर बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि दोनों की पहचान मुज़म्मिल अहमद भट और इम्तियाज़ अहमद डार के रूप में हुई है, दोनों अरिपंथन मगाम के निवासी हैं। इस बीच मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जाँच शुरू कर दी गई है।

सीतारमण ने आमदनी बढ़ाने के लिए किसानों को सहायता का आश्वासन दिया

रायचूर (कर्नाटक), 16 अक्टूबर । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के किसानों को भरोसा दिलाया है कि सरकार कृषि से उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए हर संभव सहायता करेगी।

श्रीमती सीतारमण ने यहां किसान प्रशिक्षण एवं सामान्य सुविधा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर कहा, किसानों को उनकी आजीविका को सहारा देने के मकसद से केंद्र की विभिन्न योजनाओं के जरिए मृदा

स्वास्थ्य कार्ड, उर्वरक और वित्तीय मदद दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि किसानों की मदद के लिए

‘हस्तशिल्प और हथकरघा हमारी समृद्ध और विविध विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं’

श्रीनगर 16 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि हस्तशिल्प और हथकरघा कला जम्मू-कश्मीर की समृद्ध और विविध सांस्‍तिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती है और सरकार इस धरोहर को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने यह बातें कश्मीर हाट में सात दिवसीय 'गांधी शिल्प बाजार-2025' का उद्घाटन करने के बाद कहीं। यह बाजार उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के संरक्षण में जम्मू और कश्मीर ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है।इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी शिल्प बाजार एक राष्ट्रीय स्तर का विपणन मंच प्रदान करता है, जो देशभर के शिल्पकारों को एक साथ लाकर उनके उत्कृष्ट शिल्प कौशल को प्रदर्शित करता है

वैष्णव ने 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नये प्लेटफॉर्म एवं एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का किया लोकार्पण

जयपुर 16 अक्टूबर। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जयपुर में उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नये प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म उन्नयन एवं विस्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का लोकार्पण किया और जयपुर-असारवा एक्सप्रेस में वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रिंटेड कंबल कवर की शुरूआत की। इस अवसर पर जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हो रहा है

ऑपरेशन के दौरान दुनिया ने देखी भारतीय सैनिकों और देश की बढ़ती शक्ति : राजनाथ

पुणे 16 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारतीय सैनिकों की वीरता और देश की बढ़ती स्वदेशी शक्ति को देखा और उसका लोहा माना।

श्री सिंह ने गुरुवार को पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की बढ़ती स्वदेशी शक्ति का एक ज्वलंत प्रमाण है, जो देश में आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के सरकार के अथक प्रयासों से प्राप्त हुआ है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वास और दृढ़ता जैसे गुणों के महत्व समझाते हुए कहा कि जब सरकार ने

रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाना शुरू किया, तो आरंभ में यह कठिन लग रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में घरेलू रक्षा विनिर्माण के विस्तार में कोई कसर न छोड़ते हुए पूरी कोशिश की गयी। इसी संकल्प के कारण सकारात्मक परिणाम मिलने लगे।

उन्होंने कहा, हमने रक्षा क्षेत्र में बदलाव का संकल्प लिया है क्योंकि देश की स्वतंत्रता के बाद से ही हम हथियारों के लिए दूसरे देशों पर बहुत अधिक निर्भर रहे हैं। हम हथियार खरीदने के आदी हो गए थे और यह सब इसलिए हो रहा था क्योंकि हमारे पास भारत में निर्माण करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी। हमारे पास रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने संबंधी क़ानून भी नहीं थे। इसमें बदलाव की आवश्यकता थी। अब हमारा संकल्प है कि भारत अपने सैनिकों के लिए स्वदेश में निर्मित हथियार बनाए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने हमारे सैनिकों की वीरता देखी। उन्होंने निर्धारित व्यापक लक्ष्य देश में निर्मित रक्षा उपकरणों के उपयोग से ही हासिल किया।

राहुल सहाय ने दरबार मूव की बहाली पर मुख्यमंत्री उमर और उपराज्यपाल सिन्हा को बधाई दी

जम्मू,16 अक्टूबर। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) जम्मू और कश्मीर के अध्यक्ष राहुल सहाय ने जम्मू और कश्मीर में ऐतिहासिक दरबार मूव परंपरा को पुनर्जीवित करने की घोषणा के लिए जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हार्दिक बधाई और आभार व्यक्त किया है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय को मंजूरी देने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का भी आभार व्यक्त किया। सहाय ने कहा कि दरबार मूव की बहाली से पूरे वर्ष संतुलित प्रशासनिक उपस्थिति और समान आर्थिक गतिविधि सुनिश्चित करके दोनों क्षेत्रों - जम्मू और कश्मीर - की अर्थव्यवस्थाओं को अत्यधिक लाभ होगा। उन्होंने कहा, फ्यह निर्णय जम्मू के व्यापार और व्यवसाय क्षेत्र

में नई जीवंतता लाएगा, क्योंकि सर्दियों के महीनों में हमारे बाजार और बाज़ार एक बार फिर कश्मीर क्षेत्र के ग्राहकों से भर जाएँगे। इस कदम के सामाजिक-आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, श्री सहाय ने कहा कि यह दोनों क्षेत्रों और समुदायों के बीच भाईचारे और सद्भाव के बंधन को और मज़बूत करेगा, जिससे एकता और आपसी समझ बढ़ेगी।

दरबार मूव केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं जम्मू की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन है: राणा

श्रीनगर, 16 अक्टूबर । जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने ऐतिहासिक दरबार मूव को पुनर्जीवित करने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा उठाए गए साहसिक और दूरदर्शी कदम के लिए उनकी हार्दिक सराहना की है। दरबार मूव एक सदियों पुरानी परंपरा है जो जम्मू-कश्मीर के सामाजिक-प्रशासनिक ताने-बाने का एक स्थायी स्तंभ रही है।

ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक सार्वजनिक बयान में मंत्री जावेद राणा ने इस बात पर जोर दिया कि दरबार मूव एक प्रशासनिक प्रक्रिया से कहीं बढ़कर है, यह सांस्कृतिक एकीकरण, भावनात्मक एकता और क्षेत्रीय समावेशिता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रथा को बहाल करके मुख्यमंत्री ने एक ऐसी परंपरा की पुष्टि की है जिसने ऐतिहासिक रूप से जम्मू-कश्मीर के विविध क्षेत्रों को एक सूत्र में पिरोने में मदद की है। राणा ने कहा कि दरबार स्थानांतरण केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, यह जम्मू की अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन है और क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक संपर्क और एकीकरण का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है।

रेलवे के जम्मू मंडल कार्यालय में मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

जम्मू, 16 अक्टूबर । रेलवे में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को रोकने तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जम्मू मंडल के मंडल कार्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अक्षय कुमार मरन्टू, रेलवे बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी, मंडल के वरिष्ठ अधिकारी और रेलवे कर्मचारी भी उपस्थित थे।

सतर्कता बैठक के दौरान भ्रष्टाचार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य सतर्कता अधिकारी ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र के लिए प्रत्येक नागरिक की जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सतर्कता केवल एक विभाग की ज़िम्मेदारी नहीं है बल्कि हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है।

मंडल में आयोजित सतर्कता सप्ताह बैठक के दौरान मंडल अधिकारियों और सतर्कता अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्य को प्रभावी एवं कुशलतापूर्वक कैसे निष्पादित किया जाए तथा कार्य के दौरान भ्रष्ट आचरण एवं कदाचार से कैसे बचा जाए सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक अक्षय कुमार मरन्टू ने कहा कि इस डिजिटल युग में सतर्कता विभाग की कार्य प्रणाली में नवाचार एवं पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने रेल अधिकारियों से सतर्कता संबंधी सभी मामलों को निष्पक्षता से निपटाने का आग्रह किया तथा रेल प्रशासन से आम जनता एवं रेल उपयोगकर्ताओं से सहयोग लेने की अपील की ताकि वे भ्रष्टाचार संबंधी किसी भी गतिविधि की सूचना दे सकें।

मधुमक्खी पालन कृषि उत्पादकता बढ़ाने और ग्रामीण आजीविका में सुधार करने में सहायक

अवंतीपोरा, 16 अक्टूबर। कृषि उत्पादन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज, सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अवंतीपोरा के इनोवेशन कैंपस में शुरू हुई फ्वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन तेल बीज मिशन के साथ एकी.तफ दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में आईयूएसटी की पहलों की सराहना की, विशेष रूप से उन कार्यक्रमों की जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी को सामाजिक-आर्थिक विकास से

जोड़ते हैं।

उन्होंने मधुमक्खी पालन के आर्थिक और पारिस्थितिक महत्व पर बल देते हुए कहा कि यह कृषि उत्पादकता बढ़ाने, जैव विविधता संरक्षण और ग्रामीण आजीविका में सुधार के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मंत्री ने आई-फैक्ट्री लैब, डिजाइन और विकास प्रयोगशाला, फैब लैब, और अल्ट्राटेक सीमेंट लैब का दौरा किया और विश्वविद्यालय की .षि-प्रौद्योगिकी उन्नति हेतु नवाचार आधारित पहलों के लिए पूर्ण सरकारी समर्थन का आश्वासन दिया।

हर सफर बन जाएगा यादगार

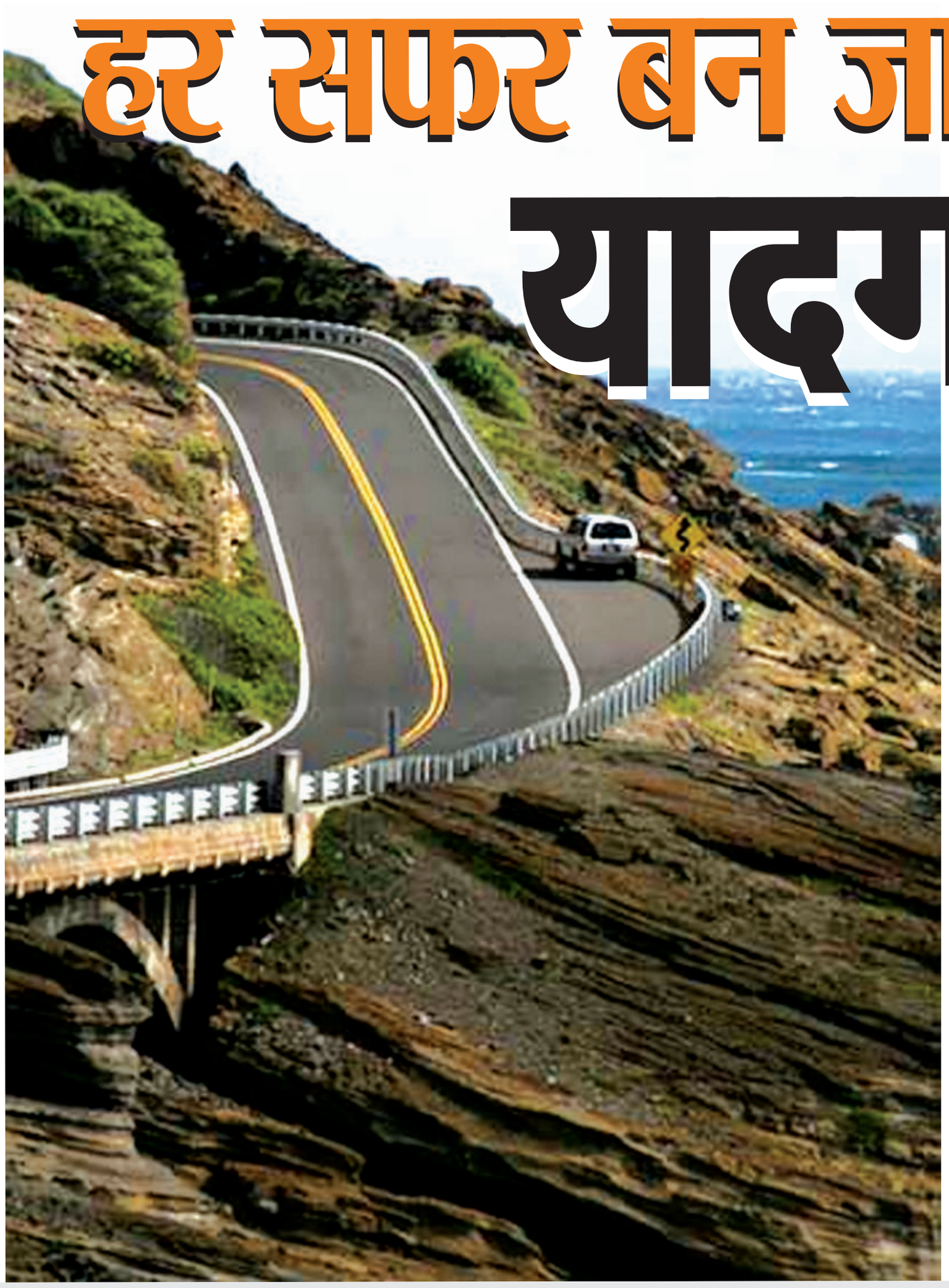

सफर करने के बारे में सबसे मजेदार बात है, हर कदम पर किसी नई खोज का रोमांच। फिर चाहे वह किसी बच्चे द्वारा ट्रेन की खिड़की से पहली बार खुले में ऊँटों को चरते देखने का रोमांच हो या फिर पहली-पहली बार किसी अजनबी देश में कदम रखने पर नजर आने वाली एक अलग दुनिया का रोमांच।

यूँ इंसान अपने घर, अपने जाने-पहचाने माहौल के सुरक्षा कवच में सबसे सहज महसूस करता है, लेकिन नएपन की लालसा भी उसका पीछा नहीं छोड़ती। कुछ नया देखने की लालसा ही उसे दुनिया घुमा लाती है।

कभी आदिमानव कुछ नया तलाशने के लिए एक जंगल से दूसरे जंगल जाता था। आज उसका वंशज महासागर की गहराइयों में गोता लगा चुका है और अंतरिक्ष के निर्वात अंधकार में चहल-कदमी कर चुका है। इन दो विपरीत छोरों के बीच आम मानव रोज कई प्रकार के छोटे-बड़े सफर करता रहता है।

जरूरी नहीं कि यात्रा कहीं दूर की हो, बोरिया-बिस्तर बाँधकर रेल, बस, जहाज या विमान से की जाए। अपने ही शहर में, कभी उन रास्तों-गलियों से निकलिए, जहाँ से आपका अब तक गुजरना नहीं हुआ है। कुछ नया दिखेगा, कोई नई खोज होगी। सोचने के नए आयाम खुलेंगे। कोई कह गया है कि सफर का उद्देश्य मंजिल पर पहुँचना नहीं, बल्कि मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया का पूरा आनंद लेना होना चाहिए। जब हमारी निगाहें महज मंजिल पर टिकी होती हैं, तब रास्ते अक्सर अनदेखे रह जाते हैं... और कायनात का सारा कोलाहल, संसार का सारा स्पंदन, जिंदगी की तमाम रेलमपेल इन रास्तों पर ही तो बिखरी पड़ी है। इन्हें नहीं देखा तो सफर महज एक ठिकाना छोड़ दूसरे ठिकाने पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना भर हुआ, जबकि सफर मौका देता है कदम-कदम पर नए झरोखे से नया संसार देखने का, नए मित्र, नए गुरु पाने का, अनसोचे अनुभवों से गुजरकर नई जानकारी, नए ज्ञान के सागर में नहाने का। खैर, सच यह है कि लोग कई कारणों से सफर करते हैं।

कोई घर या दफ्तर के किसी कार्य विशेष के सिलसिले में एक स्थान से दूसरे स्थान जाता है, कोई छुट्टियों में घूमने जाने की औपचारिकता निभाने तो कोई तीर्थ करने। बहुत कम लोग सफर करने के लिए सफर पर निकलते हैं। ऐसे लोगों को न मंजिल पर पहुँचने की जल्दी होती है, न घर लौट आने की चिंता।

आप यह तय करके घर तो नहीं बैठ सकते कि कोई अच्छा अनुभव हो तो ही बाहर निकलूँ। जीवन के प्रवाह में छलाँग लगाने पर ही पता चलता है कि कब कौन-सा अनुभव अच्छा रहा और कब कौन-सा बुरा। छोटी-मोटी परेशानियाँ सफर का हिस्सा ही होती हैं। जब दुनिया को देखने, जानने निकले हैं तो इसके दोनों रूप देखने में ही तो यात्रा की परिपूर्णता होगी।

सर्दी के मौसम में आमतौर पर लोग जबर्दस्त ठंड से बचने के उपाय करते रहते हैं लेकिन इससे उलट इस मौसम का मजा भी उठाया जा सकता है। हमारे देश में ऐसे कई इलाके हैं जहाँ सर्दियों में सैलानी बर्फ का मजा उठाने के लिए जाना पसंद करते हैं।

सर्दियों का स्वागत करता उत्तराखंड

बर्फ का मजा उठाने के लिए पहला नाम जो हमारे जेहन में आता है वह जम्मू-कश्मीर का है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सुदूर उत्तर-पूर्व का तवांग भी सर्दियों में बर्फ का मजा लेने का अच्छा ठिकाना है। बर्फ में मौज-मस्ती का मजा ही अलग है। इससे ऊर्जा भी भरपूर मिलती है और रिश्तों में गर्माहट भी आती है।

जाड़ों में मध्य हिमालय (1200 मीटर-4000 मीटर) स्थित उत्तराखंड के कई हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत हो जाते हैं। बर्फबारी में नहाया पहाड़ तो पर्यटकों को अपनी ओर चुंबक की तरह खींचता है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से लेकर फरवरी के मध्य तक उत्तराखंड के कई पर्यटक स्थलों पर बर्फ गिरती है।

अंग्रेजों के बसाए शहर नैनीताल और मसूरी तो के नजदीक होने तथा रेल स्टेशनों के बिलकुल पास होने के कारण पर्यटकों की पहली पसंद हैं। इन दोनों ही शहरों तक दिल्ली से सड़क से 7 से 10 घंटे में पहुँचा जा सकता है। मसूरी तथा नैनीताल में बर्फबारी की खबर लगते ही दिल्ली, गुड़गाँव, गाजियाबाद तथा उत्तर भारत के शहरों के पर्यटक इन पर्वतीय पर्यटक स्थलों की ओर भाग पड़ते हैं। नैनीताल में बर्फ के साथ खेलने के लिए पर्यटकों की पसंदीदा जगह तो ऐतिहासिक माल रोड ही है पर यदि माल रोड में पड़ी बर्फ पर्यटकों को कम लगे तो वे नैनीताल शहर के ऊपर स्नो व्यू, टिफिन टॉप से लेकर किलवरी मार्ग पर दूर हिमालय दर्शन तक जा सकते हैं। हिमालय दर्शन से हिमालय की चोटियों का विहंगम दृश्य दिखता है। क्रिसमस के आस-पास यदि बर्फबारी हो जाए तो पर्यटक नैनीताल में त्योहार और छुट्टियों का दोगुना आनंद लेते हैं।

राजधानी देहरादून के पास मसूरी में भी साल में 3-4 बार बर्फबारी हो जाती है। बर्फबारी के होते ही पर्यटकों का हुजूम मसूरी आ जाता है। इस भीड़ से मसूरी के नीचे किंगररेग तक के रास्ते जाम हो जाते हैं। मसूरी तथा नैनीताल और उसके आस-पास सभी बजट श्रेणी में पर्याप्त होटल उपलब्ध हैं। बर्फबारी का मजा लेने के लिए पर्यटक मसूरी के लाल टिब्बा, किनोग हिल, जॉर्ज एवरेस्ट, गन हिल तथा क्लाउड ऐंड स्थानों पर जाते हैं।

मसूरी से 32 किमी दूर स्थित नव पर्यटक स्थल धनौल्टी तक बर्फबारी के बीच सड़क के दोनों ओर बर्फ जम जाती है। इस मार्ग पर तब गाड़ी चलाने का आनंद दोगुना हो जाता है। चमोली जिले के जोशीमठ से 15 किमी दूर औली तो अब विश्व प्रसिद्ध स्कीइंग केंद्र तथा शीतकालीन रिजॉर्ट का रूप ले चुका है।

यहाँ 2010 के जनवरी-फरवरी में शीतकालीन सैफ खेलों का आयोजन होना है। औली में स्कीइंग के 7 दिवसीय, 14 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए तथा पर्यटकों के लिए एक-दो दिवसीय स्कीइंग करने की सुविधा गढ़वाल मंडल विकास निगम उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों के लिए तो रहने, खाने की सुविधा, उपकरणों, स्की लिफ्ट की उपलब्धता मय शिक्षक 5,500 रुपए में उपलब्ध है। पर्यटकों को बेशक एक या दो दिन स्की करने के लिए तथा हर सुविधा के लिए अलग भुगतान करना पड़ता है। रोप वे द्वारा औली पहुँच कर पर्यटक नई दुविधा में होता है।

सामने नंदा देवी सहित कई हिमाच्छादित चौटियों का दृश्य दिखता है। औली में 1,300 मीटर लंबा स्कीइंग ट्रैक उपलब्ध है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 800 मीटर लंबी चियर लिफ्ट के अलावा स्कीयरों को ऊपर पहुँचाने के लिए दो स्की लिफ्ट उपलब्ध है।

कुल मिलाकर औली में कम दामों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्की रिजॉर्ट का मजा लिया जा सकता है इसलिए विदेशी पर्यटक भी अपने देशों में महँगे स्की रिजॉर्टों में जाने के बजाय औली आकर स्कीइंग करके पैसा बचाते हैं। उत्तराखंड के पर्यटन सचिव उत्पल कुमार सिंह बताते है कि शीतकालीन सैफ खेलों के आयोजन की तैयारियों के पूरा होने के साथ औली शीतकालीन खेलों के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा।

औली के अलावा उत्तराखंड में उत्तराकाशी जिले का दयारा बुग्याल, देहरादून में चकराता के पास मुंडाली, रूद्रप्रयाग जिले का चोफता तथा पिथौरगढ़ मुंस्यारी के पास खलिया टॉप स्कीइंग के शौकीनों के लिए पसंदीदा पर्यटक स्थल है। अंग्रेजों के समय के स्थापित पर्यटक स्थलों के अलावा उत्तराखंड में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए अनगिनत स्थल है। इनमें से कई स्थल तो अभी पर्यटक मानचित्र पर आ भी नहीं पाए है। स्थली मुखवा में भी जाड़ों में अच्छी-खासी बर्फ पड़ती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त 06 वाहन जब्त

कठुआ, 16 अक्टूबर (हि.स.)। अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने लखनपुर, हीरानगर और कठुआ के पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में कुल छह वाहन जब्त किए हैं जिनका उपयोग निर्माण सामग्री के अवैध खनन परिवहन के लिए किया जा रहा था।

पहली घटना में एसएचओ थाना हीरानगर आशीष शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या जेके21एफ-1892, जेके02बीयू-7787 वाले दो डंपर जब्त किए हैं जिनका उपयोग क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन के लिए किया जा रहा था। दूसरी घटना में लखनपुर थाना प्रभारी तारिक अहमद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अपने क्षेत्राधिकार में गश्त के दौरान तीन डंपर पंजीकरण संख्या आरजे19जीडी-9237, आरजे50जीए-5883, आरजे21जीबी-8692 जब्त किए जिनका इस्तेमाल क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन के लिए किया जा रहा था। इसी प्रकार चौकी घाट्टी के प्रभारी पीएसआई रजत कोतवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खनन सामग्री के परिवहन में लिप्त एक ट्रैक्टर ट्रॉली पंजीकरण संख्या जेके08एच-7502 को भी जब्त किया।

वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम आयोजित

जम्मू, 16 अक्टूबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने स्थानीय शिल्प कौशल को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण सरकारी हाई स्कूल सिराह (ककरयाल) के कक्षा 8 के छात्र मोहिंदर द्वारा बनाए गए सुंदर हस्तनिर्मित दीये रहे। सजावटी वस्तुएँ बनाने में निपुण मोहिंदर ने विश्वविद्यालय परिसर में लगाए गए विशेष स्टॉल पर विभिन्न आकारों और डिज़ाइनों के आकर्षक दीये प्रदर्शित किए जिन्हें देखने और खरीदने के लिए संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की भीड़ उमड़ी। विश्वविद्यालय समुदाय ने न केवल सभी दीये खरीदे बल्कि मोहिंदर के हुनर और रचनात्मकता की भरपूर सराहना भी की।

कार्यक्रम का समन्वयन स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की प्रमुख डॉ. सुनंदा गुप्ता और एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजीव कुमार ने किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्टॉल की व्यवस्था और जनजागरूकता में सक्रिय भूमिका निभाई। मोहिंदर ने कहा कि इस पहल से मिली सराहना ने उन्हें अपने कौशल को और निखारने की प्रेरणा दी है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा विद्यार्थियों में उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करना था।

जम्मू-कश्मीर में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने पर हुई चर्चा

जम्मू, 16 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर (आईआईएमबी) के स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर एनएसआरसीईएल की एक टीम ने जम्मू और कश्मीर में इनक्यूबेशन और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय-प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेशन सेंटर (एसएमवीडीयू-टीबीआइसी) और उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (ईडीसी) का दौरा किया। एनएसआरसीईएल प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कार्यक्रम प्रबंधक कार्तिक चौधरी ने अपनी टीम के साथ किया। उनका स्वागत एसएमवीडीयू-टीबीआइसी के सीईओ और ईडीसी के मुख्य समन्वयक डॉ. संजय मोहन ने अपनी टीम के साथ किया जिसमें बी.के. भाटिया (प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी), डॉ. मीर इरफान उल हक और डॉ. आरिफ डार (एसोसिएट प्रोफेसर) तथा दिव्य दुहेता महाजन (प्रबंधक, एसएमवीडीयू-टीबीआइसी) शामिल थे।बैठक के दौरान दोनों टीमों ने उभरते उद्यमियों को प्रोत्साहन देने, मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण तक बेहतर पहुँच सुनिश्चित करने और शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स को सुदृढ़ समर्थन प्रदान करने की रणनीतियों पर गहन चर्चा की। एनएसआरसीईएल टीम ने एसएमवीडीयू-टीबीआइसी को नवाचार-आधारित उद्यमिता को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और संसाधन साझाकरण का आश्वासन दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यशाला का किया आयोजन

आरएस पुरा, 16 अक्टूबर (हि.स.)। कृषि विज्ञान केंद्र आरएस पुरा जम्मू में कृषि और बागवानी विभाग के अधिकारियों के लिए अच्छी कृषि पद्धतियों और कीटनाशक उपयोग में सुरक्षा मापदंडों पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई।

आरंभ में डॉ. पुनीत चौधरी मुख्य वैज्ञानिक और प्रमुख केवीके जम्मू ने केवीके जम्मू में कृषि और बागवानी विभाग के अधिकारियों, विभिन्न प्रभागों, एसकेयूएएसटी-जम्मू के अनुसंधान स्टेशनों के

विशेषज्ञों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ये प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों को नवीनतम वैज्ञानिक ज्ञान से परिचित कराने के लिए आयोजित किए जाते हैं ताकि इसका उपयोग किसानों और अंतिम उपयोगकर्ता के लाभ के लिए किया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. आर.एस. बंद्राल प्रोफेसर डिवीजन ऑफ एंटोमोलॉजी, डॉ. रणबीर सिंह सोढ़ी प्रोफेसर डिवीजन ऑफ प्लांट पैथोलॉजी, डॉ. परवीन सिंह मुख्य वैज्ञानिक तिलहन और सरसों पर एआईसीआरपी, डॉ. जय कुमार मुख्य वैज्ञानिक कृषि विज्ञान, एसीआरए ध्यानसार, डॉ. राजू गुप्ता कार्यक्रम सहायक फार्म, डॉ. मुनीश्वर शर्मा वैज्ञानिक प्लांट प्रोटेक्शन, केवीके जम्मू द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए। अंत में डॉ. शीतल बडैयाल मुख्य वैज्ञानिक गृह विज्ञान और डॉ. प्रेम कुमार वरिष्ठ वैज्ञानिक मत्स्य पालन केवीके जम्मू द्वारा सभी प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया दर्ज की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पूनम अबरोल कार्यक्रम सहायक केवीके जम्मू द्वारा किया गया।

इलेक्ट्रिक ऑटो खाई में गिरा, नौ छात्र घायल

रियासी, 16 अक्टूबर (हि.स.)। रियासी ज़िले के माहौर के बिस्सावली इलाके के पास गुरुवार को एक इलेक्ट्रिक ऑटो सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया जिससे कम से कम नौ छात्र घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि ऑटो बुधन से सलधार जा रहा था तभी चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया जिससे वह गहरी खाई में गिर गया।उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और घायल छात्रों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) माहौर पहुँचाया गया।उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायल एक छात्र को बाद में उन्नत चिकित्सा देखभाल के लिए रियासी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और मामले की आगे की जाँच शुरू कर दी है।

सेना ने अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस पर व्याख्यान का किया आयोजन

पुंछ, 16 अक्टूबर (हि.स.)। सामुदायिक विकास और महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत भारतीय सेना ने हट्टा सेरी में अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय की 25 महिलाओं और 10 बच्चों के साथ-साथ सैन्य कर्मियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

जीजीएम साइंस कॉलेज में1966 के छात्र शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

जम्मू, 16 अक्टूबर (हि.स.)। छात्र शहादत दिवस के अवसर पर जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू में 1966 के ऐतिहासिक छात्र आंदोलन के वीर शहीदों को नमन करते हुए तीन दिवसीय क्रमिक उपवास की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम उन चार छात्र शहीदों – बृज मोहन शर्मा, सुभाष चंद्र, गुलशन हांडा और गुरुचरण सिंह – की स्मृति में आयोजित किया गया जिन्होंने जम्मू में उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना और कृषि विश्वविद्यालय को जम्मू से कश्मीर स्थानांतरित करने के विरोध में अपने प्राणों की आहुति दी थी।

श्रद्धांजलि समारोह में जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के.एस. चंद्रशेखर, जीजीएम साइंस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने कहा कि 1966 के इन छात्र शहीदों की कुर्बानियों ने न केवल जम्मू विश्वविद्यालय, सरकारी मेडिकल कॉलेज और स्कॉस्ट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की नींव रखी, बल्कि जम्मू के शैक्षिक परिदृश्य को भी नया आकार दिया।

मिशन युवा के तहत युवाओं के लिए अभिविन्यास-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 16 अक्टूबर (हि.स.)। मिशन युवा के तहत गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज महानपुर में बिजनेस हेल्प डेस्क और सब-डिवीजन बनी, बसोहली और बिलावर के युवा दूतों के लिए एक अभिविन्यास-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पीयूष खजूरिया सहायक निदेशक जिला रोजगार एवं परामर्श केंद्र कठुआ, सुरजीत कुमार करियर परामर्श अधिकारी कठुआ और अन्य अधिकारियों के औपचारिक स्वागत के साथ हुई। जीडीसी महानपुर की प्राचार्या डॉ. संगीता सूदन और कॉलेज स्टाफ ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। संबंधित व्यावसायिक सहायता डेस्क के सभी युवा दूतों ने इन सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पहले सत्र में संसाधन व्यक्ति पीयूषा खजूरिया ने मिशन युवा, उसके दृष्टिकोण, उद्देश्यों और संरचना का विस्तृत

परिचय दिया। उन्होंने मिशन युवा मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल पर लाभार्थियों के लिए पात्रता मानदंड और युवा जुड़ाव और सशक्तिकरण गतिविधियों से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में बताया। दूसरे सत्र में करियर परामर्श अधिकारी सुरजीत कुमार ने जिला और उप-जिला स्तर पर संसाधनों और हितधारकों के मानचित्रण पर विस्तार से बताया।

कुलपति ने डॉ. अभिजीत जसरोटिया को किया सम्मानित

जम्मू, 16 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एस. चंद्रशेखर ने आज विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में डॉ. अभिजीत जसरोटिया को समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. चंद्रशेखर ने कहा डॉ. जसरोटिया विश्वविद्यालय के मित्र हैं और समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा की गई विभिन्न पहलों में योगदान देते रहे हैं। क्लस्टर विश्वविद्यालय, विशेष रूप से उच्च शिक्षा नीति और सामाजिक पहलों के क्षेत्र में उनकी दूरदर्शी अंतर्दृष्टि के लिए आभारी है।

एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक राजनीतिक विचारक के रूप में उनकी गतिशीलता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है, विज्ञप्ति में कहा गया है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अंकुर महाजन भी उपस्थित थे।

व्यापारी महासंघ ने बाढ़ प्रभावित जम्मू के लिए विशेष पैकेज की माँग की

जम्मू, 16 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू के व्यापारियों और नागरिकों की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करने के लिए जाने जाने वाले व्यापारी महासंघ वेयर हाउस नेहरू मार्केट ने सरकार से जम्मू के लोगों के लिए तत्काल कार्रवाई और सहायता की अपील की जो 26 अगस्त की विनाशकारी बारिश और बाढ़ से हुई तबाही से अभी भी जूझ रहे हैं। अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने आज महासंघ कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाढ़ के दौरान जम्मू को हुए भारी नुकसान पर प्रकाश डाला जिसमें हज़ारों लोग बेघर हो गए, कई लोगों की जान चली गई और किसानों के पशुधन मारे गए। संकट के दौरान सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने प्रशासन की इस आपदा के बाद आवश्यक राहत और पुनर्वास कार्य करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। उन्होंने बुनियादी ढाँचे की दयनीय स्थिति विशेष रूप से भगवती नगर चौथे पुल की ओर इशारा किया जो बाढ़ के दौरान बह गया था और लगभग दो महीने बाद भी उसकी मरम्मत नहीं हुई है। काम में देरी क्यों हो रही है? कौन ज़िम्मेदार है। सरकार जम्मू की दुर्दशा क्यों नहीं देख रही है। उन्होंने सवाल उठाया और पुल के ढहने और पंजतीर्थी-सिधरा रोड तथा मांडा रोड सहित बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों पर मरम्मत कार्य न होने की जाँच की माँग की। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि कैसे वीवीआईपी के दौरे के लिए सड़कों की जल्दी मरम्मत और सौंदर्यीकरण किया जाता है लेकिन आम लोगों के संघर्षों को नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है।

विधायक ने कनहाल और चक अवतारा में 49.66 लाख के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

जम्मू, 16 अक्टूबर (हि.स.)। बिश्नाह के विधायक डॉ. राजीव भगत ने आज पंचायत कनहाल और पंचायत चक अवतारा में व्यापक विकास कार्यों की औपचारिक शुरुआत की जिससे ग्रामीण बुनियादी ढाँचे में कुल 49.66 लाख का निवेश हुआ। स्थानीय सुविधाओं को बढ़ावा देने और निवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल विधायक के विकेंद्रीकृत, जमीनी स्तर के विकास पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है।

इस विकास अभियान में दोनों पंचायतों में कुल 19 कार्य शामिल हैं। पंचायत कनहाल में 31.50 लाख की लागत के 10 कार्यों का शुभारंभ होगा जबकि पंचायत चक अवतारा को 18.16 लाख की लागत के 9 कार्यों के लिए धनराशि आवंटित की गई है। इन परियोजनाओं से गलियों, नालियों और अन्य महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढाँचे के निर्माण जैसी आवश्यक स्थानीय ज़रूरतों को पूरा करने की उम्मीद है जो स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही माँग है।

विधायक के साथ बिश्नाह की खंड विकास अधिकारी, जेकेएएस सोनिया देवी, अपनी इंजीनियरिंग और क्षेत्रीय मशीनरी के साथ मौजूद थीं जो इन परियोजनाओं को तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिए विधायी और प्रशासनिक शाखाओं के बीच पूर्ण समन्वय का प्रतीक है। उद्घाटन समारोह में स्थानीय राजनीतिक और सामुदायिक नेताओं की भारी उपस्थिति रही जिन्होंने लंबे समय से प्रतीक्षित विकास पहलों की शुरुआत के लिए अपनी सराहना व्यक्त की।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR,
JAL SHAKTI (IRRIGATION AND FLOOD CONTROL DEPARTMENT)
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, FLOOD CONTROL DIVISION, SAMBA

SHORT TERM e-NIT NO. 09 OF of 2025-26

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territoryof Jammu and Kashmir, tender is invited by the Executive Engineer Flood Control Division Samba on percentage basis, by e-Tendering mode from approved and eligible contractors registered with J&K state Govt./CPWDfor the following work.

S. No	Name of work	Advertised amount (Rs.in lacs)	Earnest Money (in Rs.)	Cost of document (in Rs.)	Time allowed for completion	Class of contractor
1	2	3	4	5	6	7
01	Construction of Flood Protection Work Near Land of Sh Bua Ditta Vaids Village KharahKharah Nallaha Block Purmandal District Samba.	1.75	3500.00	300.00	20 days	A,B,C &D
02	Laying of Crate to Control the Cutting of Piece of Land due to Flood On Mandal Khad At Khara Madana Suli Takki Bari Brahmana Distt Samba	2.93	5860.00	300.00	20 days	A,B,C &D
03	Construction of Flood Protection Work Near the Land of Sh Rattan Chand So Dhani Ram In Deon Nallha Village Deon Pacholi Block Purmandal District Samba	3.43	6860.00	300.00	20 days	A,B,C &D
04	Construction of Flood Protection Work Near The Land of Sh Vicky Sharma Neel Kanth on Kharah Local Nallah Khara Girdari Lal Singh	3.91	7820.00	300.00	30 days	A,B,C &D
05	Construction of Flood Protection Work adjoining Agriculture the Land of Sh Girdhari Lal on Mandal Khad in Village Madana Block Purmandal District Samba	4.40	8800.00	300.00	30 days	A,B,C &D

Position of Funds : Partly Available
Position of AAA/TS : Accorded.

1) Date of publishing from: 15-10-2025 (10.00AM).
2) The bidding documents can be downloaded from the website www.jktenders.gov.inw.e.f. 15-10-2025(10.00 AM)to22-10-2025 (04:00 P.M.).
3) The bids shall be deposited in electronic format on the website from www.jktenders.gov.in. w.e.f. 15-10-2025 (10.00 AM) to 22-10-2025 (04:00 P.M.). The bids received will be opened on or after 23-10-2025at 12:00Noon.
a) The complete bidding process will be online.
b) The tender uploaded on the e-tendering portal /website will be opened as per above schedule in the office of the Executive Engineer Flood Control Division Sambain the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next compatible day and the date of opening of financial bid shall be communicated to the successful bidders in cover-Ist through e-tendering mode.
4) Bid documents can be seen at and downloaded from the website www.jktenders.gov.inBid documents contains qualifying criteria for bidder, specification, bill of quantities, condition and other details.
.5) The contractors are advised to visit the site before quoted rates.

No:-FCDS/2025-26/2261-83 Dated:-13-10-2025

DIP/J-7007/25
Dtd: 16-10-2025

Sd/-
Executive Engineer
Flood Control Division
Samba

एमए स्टेडियम में संपन्न हुई जम्मू जिला ओपन टेनिस चैंपियनशिप, खिलाड़ियों ने दिखाई शानदार खेल भावना

जम्मू, 16 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर लॉन टेनिस एसोसिएशन की ओर से एमए स्टेडियम स्थित लॉन टेनिस कोर्ट में पुरुषों और महिलाओं के लिए जम्मू जिला ओपन टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिलेभर से आए खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे क्षेत्र में टेनिस के प्रति बढ़ते रुझान का परिचय मिला। चैंपियनशिप का उद्घाटन संघ के मानद महासचिव इंजीनियर बी.एस. जग्गी ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों की प्रतिबद्धता और खेल के प्रति उनके जोश की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देते हैं और खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं।

पुरुष एकल वर्ग में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। राकेश कुमार ने संजीव रोहमेत्रा को 8-5 से हराया जबकि कोशीन कौल ने भी रोमित शर्मा को इसी अंतर से पराजित किया। हर्षित सढोत्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हर्षवर्धन को 8-4 से मात दी। इसके अलावा अखिलेश शर्मा, शिवांश कोहली, दीपक सिंह, विनम्र गुप्ता और शुभकर्मन सिंह ने भी प्रभावी जीत दर्ज की।

पुरुष युगल वर्ग में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। अमर ज्योति शर्मा और शिवांश कोहली की जोड़ी ने राकेश कुमार और संजीव रोहमेत्रा को 8-1 से हराया जबकि पारस काचरू और राघव सभरवाल ने कोशीन कौल और हर्षवर्धन को 8-0 से मात दी। एक अन्य मुकाबले में विनम्र गुप्ता और पार्थ गुप्ता ने रिधम अंगराल और रुत्विक सलवान को 8-1 से पराजित किया।

ऑटिज़्म और बौद्धिक दिव्यांगता वाले बच्चों के लिए डेकेयर सेंटर का उद्घाटन

मदूरई, तमिलनाडु। एग्रिकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) ने आज मदुरई में ऑटिज़्म और बौद्धिक दिव्यांगता वाले बच्चों के लिए एकसमर्पित डेकेयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर की अध्यक्षता एआईसी की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक Dr. Lavanya R Mundayur ने की और डेकेयर facility काउद्घाआटन किया, जो विशेष आवश्यकता वालेबच्चों और उनके परिवारों के सशक्तिकरण के लिए है।

कार्यक्रम में बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दी गयी, जिन्होंने उपस्थिति सभी अधिकारियों को प्रभावित किया। एक समारोह में एआईसी के कार्यकारी निदेशक श्री संजय लल्ला, उप महाप्रबंधक, दक्षिण जोन, श्री नागराजन कालियापेरुमल और क्षेत्रीय प्रबन्धक श्रीमती डी. सुधा भी उपस्थित रहीं।

उद्घा टन पर CMD Dr. Lavanya R Mundayur ने कहा, हर बच्चे को एक समर्थ और सक्षम वातावरण मिलना चाहिए जो विकास, जान और आत्म-विश्वास को बढ़ावा दे। इस डेकेयर सेंटर के साथ, हम हृस्क्रयात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं ताकि ऑटिज़्म और बौद्धिक दिव्यांगताओं वाले बच्चों और उनके परिवारों को संसाधन, आशा और अवसर मिल सके।

संपादकीय

संकट की घड़ी में जीवन

यह एक गंभीर बात है कि जम्मू-कश्मीर, जो मुख्यतः पहाड़ी क्षेत्र है और जहाँ बहुत से लोग खड़ी ढलानों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहते हैं, को भूस्खलन, भूस्खलन, पत्थर गिरने और बाढ़ से सुरक्षा सुनिश्चित करने की योजना पर पुनर्विचार करना चाहिए। ये घटनाएँ हाल ही में आम हो गई हैं और वाहनों में, घरों में और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में, जो भी उपरोक्त आपदाओं की चपेट में आए, लोगों की जान ले रही हैं। ढलान वाली पहाड़ियों और पर्वतों या अस्थिर भूभागों पर बसे ये निवासी सचमुच संकट की घड़ी में जीवन जी रहे हैं, न केवल भौगोलिक रूप से, बल्कि रोज़ी-रोटी कमाने और रोज़मर्रा के कामों के मामले में भी इसी संदर्भ में, उधमपुर ज़िले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH 44) के किनारे नरसू-समरोली क्षेत्र से आ रही रिपोर्टों ने एक बड़े भूस्खलन की पुष्टि की है, जिससे एक होटल और आसपास की कई इमारतें ढह गईं। हालाँकि बचाव अभियान अभी प्रारंभिक चरण में है और अभी तक किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है क्योंकि हाल के वर्षों में जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में भी इसी तरह के मामले सामने आए हैं।

खबरों के अनुसार, इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है और बचाव दल, पुलिस और स्थानीय अधिकारी बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू करने के लिए मौके पर पहुँच गए हैं। यह घटना इस बात की कड़ी याद दिलाती है कि ऐसी भयावह घटनाओं में जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है क्योंकि प्रशासन बिना कोई कदम उठाए तबाही को देखते हुए चुप नहीं बैठ सकता। जम्मू-कश्मीर सरकार एक कल्याणकारी राज्य की तरह है क्योंकि उसने केंद्र शासित प्रदेश में हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन में अपने घर गंवाने वालों को 5000 से ज़्यादा घर देने का वादा किया है।

यह ज़रूरी हो जाता है कि जम्मू-कश्मीर के सभी ज़िलों में स्थानीय प्रशासन सरकारी और निजी सहित सभी इमारतों का सुरक्षा ऑडिट करे ताकि ख़तरनाक इमारतों की पहचान की जा सके और उन्हें जल्द से जल्द खाली कराया जा सके। यदि सरकार को उपरोक्त कार्य में विस्थापित हुई आबादी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी भी पड़े, तो उसे वैकल्पिक व्यवस्था करने की अपनी ज़िम्मेदारी से पीछे नहीं हटना चाहिए, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश की जनता की सुरक्षा से ज़्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। दूसरी ओर, लोगों को भी स्वेच्छा से सरकार से अपने भवनों का सुरक्षा ऑडिट कराने और खतरनाक भवनों के स्थान पर व्यावसायिक प्रतिष्ठान या अन्य भवन की मांग करनी चाहिए।

केबीसी के चर्चित बच्चा प्रकरण से उपजे बड़े सवाल

-आयुषी दवे

आज की आपाधापी और भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को अभिभावक कितना वक्त दे पाते हैं? वो संस्कार कहां गुम हो गए जिसके लिए भारत दुनिया में जाना जाता है? पश्चिमी सभ्यता इतना सर चढ़ बोल रही है कि पहले फटी जींस और अब फटे शर्ट की फैशन हमारी आत्ममुग्धता है? बच्चों का बदलता व्यवहार, उनमें रूखापन और अतिविश्वास क्यों है? इस पर मनोविज्ञानिकों की राय को भी देखना होगा जो बताते हैं कि ऐसे व्यव्हार का कारण कहीं ना कहीं बच्चे का विकासात्मक असंतुलन है जिस बच्चे को लेकर यह शुरुआत हुई है वह जेन अल्फा से ताल्लुक रखता है

भारत के बेहद लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति का एक चर्चित एपीसोड काफी सुर्खियों में है।

इसमें बच्चे का अति आत्मविश्वास शुरू में तो सबको खूब भाया लेकिन शो आगे बढ़ने के साथ, जवाब देने के उसके तरीके ने सबको हैरान किया।

बच्चों के एक एपीसोड में 10 साल के बच्चे ने अमिताभ बच्चन को नियम समझाने और विकल्प न बताने की न केवल हिदायत दी बल्कि अपनी अति आत्मविश्वासी छवि पेश कर कुछ देर के लिए बोलती भी बंद कर दी हालांकि थोड़े ही सवालों के बाद वह खेल से बाहर हो गया लेकिन बच्चा जितनी देर रहा, कई अनसुलझे सवालों को छोड़ गया। शो को नियमित देखने वालों और इस बारे में सुनने वालों में इसकी काफी चर्चा है कुछ इसे बच्चे के अहम तो कुछ शिष्टाचार से जोड़कर देखते हैं। तमाम तरह की आलोचनाओं के बावजूद बच्चे के समर्थन में भी कुछ सामने आए। हालांकि कई का यह भी मानना है कि ऐसे एपीसोड केबीसी को नहीं दिखाना था। टीआरपी और प्रतिस्पर्धा की होड़ में एक्सीडेण्टली बैठे-बिठाए हाथ आए ऐसे मामले भला प्रसारण कंपनी क्यों छोड़े? निश्चित रूप से बच्चे के प्रति तरह-तरह के कमेण्टस आने का सिलसिला जल्द थमने वाला नहीं। लेकिन विचारणीय यह है कि इसका बच्चे की मनःस्थिति पर कैसा और कितना गहरा असर पड़ेगा? संभव है कि जल्द इस पर डिबेट्स का दौर भी शुरू हो जाए।

गंभीरता से सोचना होगा कि आखिर बच्चे ने ऐसा व्यव्हार क्यों किया? शो के दौरान बीच-बीच में बच्चे के जवाब देने के अनुचित तरीके से उसके माता-पिता भी असहज दिखे। ऐसा लगा कि ऐसी वार्तालाप बच्चे की दिनचर्या का अंग ही है। बच्चे के लिए भले यह नया न हो और आम हो लेकिन क्या यह सही है? इस पर मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों का ध्यान स्वाभाविक है। इस तरह की प्रवृत्ति कैसे रुके, गहन मंथन का विषय है। टीवी में ऐसे कार्यक्रम आएं न आएं यह नियामकों का जिम्मा है। लेकिन दस साल के बच्चे के व्यव्हार से ढेरों सवाल जरूर उठ खड़े हुए हैं।

आज की आपाधापी और भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को अभिभावक कितना वक्त दे पाते हैं? वो संस्कार कहां गुम हो गए जिसके लिए भारत दुनिया में जाना जाता है? पश्चिमी सभ्यता इतना सर चढ़ बोल रही है कि पहले फटी जींस और अब फटे शर्ट की फैशन हमारी आत्ममुग्धता है? बच्चों का बदलता व्यवहार, उनमें रूखापन और अतिविश्वास क्यों है? इस पर मनोविज्ञानिकों की राय को भी देखना होगा जो बताते हैं कि ऐसे व्यव्हार का कारण कहीं ना कहीं बच्चे का विकासात्मक असंतुलन है जिस बच्चे को लेकर यह शुरुआत हुई है वह जेन अल्फा से ताल्लुक रखता है। यह सबसे तेज और सबसे हाईटेक पीढ़ी मानी जाती है 2010 से 2024 के बीच पैदा यह, वह पहली पीढ़ी है जो पूरी तरह से 21वीं सदी में जन्मी है। जन्म से ही तकनीक, स्मार्टफोन और टैबलेट के साथ पले-बढ़े ये बच्चे पूरी तरह डिजिटल और साइबर परिवेश में रहते हैं। यही नए डिजिटल युग के असल प्रतिनिधि कहे जा सकते हैं। तेजी और हाजिरजवाबी इनकी पहचान है। इनके लिए, सबकुछ तुरंत होता है जैसे जवाब, खेल, प्रशंसा और ध्यान।

ऐसी प्रवृत्ति के भयावह दुष्परिणामों के बारे में सोचे बिना हम अपनी पीढ़ी को कहां ले जा रहे हैं? इस पर कौन सोचेगा? क्या हम, आप इस गति या तेजी की कीमत समझते हैं? उनके मस्तिष्क का फ्रंटल लोब, जो निर्णय लेने, धैर्य और भावनात्मक नियंत्रण के लिए ज़िम्मेदार है, बहुत धीमा विकसित हो रहा है। इनमें एक स्पष्ट पैटर्न दिखता है। इनमें विचारों में तेजी तो काम पर नियंत्रण कम रहता है। इनके व्यव्हार से मस्तिष्क का असंतुलन भी झलकता है। इसे तंत्रिका-विकासात्मक विकार कहते हैं जो ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अतिसक्रियता और आवेग जैसी समस्याओं का कारण बनता है। यह मस्तिष्क की वह स्थिति है जो बच्चों और किशोरों में उनके स्कूल, घर, रिश्तों में दैनिक कामकाज को प्रभावित कर सकती है। यह वयस्कता तक बनी रहती है। इसे एडीएचडी यानी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर कहते हैं।

वहीं, यह एक तरह का ओडीडी यानी ऑप्जिशनल डिफिएंट डिसऑर्डर है। यह भी व्यवहार संबंधी विकार है जिससे बच्चों में लगातार अवज्ञाकारी, असहयोगी और शत्रुतापूर्ण व्यवहार झलकता है। बच्चे दूसरों के साथ बहस करते हैं, नियमों का पालन करने से इनकार करते हैं और चिड़चिड़े होते हैं। यदि यह व्यवहार लंबे समय तक बना रहता है, तो यह रिश्तों और दैनिक जीवन को गंभीर रूप से बाधित कर सकता है। दूसरों से बात करते समय बीच में बोलना या बीच में ही टोक देना, बेचैनी और इंतज़ार करने में असमर्थता, अतिसक्रियता, आवेग में आकर जवाब देना, अधिकार प्राप्त लोगों से बहस करना या उनका विरोध करना, जिद और मैं हमेशा सही हूँ- वाला रवैया अपनाना, गलत होने पर भी गलतियाँ न मानना वो लक्षण हैं जो भावनात्मक असंतुलन दर्शाते हैं। ऐसी स्थितियों में भावनाएँ मस्तिष्क को नियंत्रित करती हैं, न कि मस्तिष्क भावनाओं को। इसमें बुद्धिमान दिखने खातिर आंतरिक दबाव और अपने डर को प्रभुत्व या आज्ञाकारी लहजे से छुपा लेना ठीक नहीं होता।

केबीसी के जिस एपीसोड से यह मुद्दा गर्माया, उसमें बच्चा कहता है कि अगर मैं कम से कम 12 लाख नहीं जीता तो मुझे बताया गया कि आपके साथ फोटो नहीं खिंचवा सकता! यह कहना बेहतर प्रदर्शन के लिए उस पर दबाव और चिंता को बताता है। कहने की जरूरत नहीं कि वजह माता-पिता या सामाजिक अपेक्षाओं से जुड़ा दबाव है। अहम यह कि माता-पिता अपने बच्चे की बुद्धिमत्ता और जीत की तारीफ तो करते हैं लेकिन उसकी भावनाओं को नहीं समझते, शांत या धैर्यवान होना नहीं सिखाते।

वास्तव में आपाधापी और प्रतिस्पर्धा में रात-दिन लगे माता-पिता भी तो उसी दौड़ में शामिल हैं जिसमें बच्चा है। भला क्या और क्या उम्मीद की जाए? समय से पहले गैर जरूरी मामलों में बच्चों की संलिप्तता और इसके लिए मददगार डिजिटल संसाधन पकड़ाना कितना उचित है? यह सवाल शुरुआत से बहस में रहा लेकिन सवाल वही कि क्या हम वक्त से पहले अपने बच्चों को बिना सोचे, समझे बड़ा कर रहे हैं?

बचपना, मिट्टी में खेलने की आजादी, गांव-गलियां, गिल्ली डण्डा, गेड़ी चलना, लंगड़ी कूद, बोरा कूद, लुका-छिपी और तमाम पुराने पारंपिक खेल गायब होते जा रहे हैं। सबका स्थान मोबाइल और गेमिंग ने लेकर बच्चों को समय से पहले बड़ा और बूढ़ा जरूर बना दिया है। कितना अच्छा होता कि समय रहते ऐसी उच्छृंखलता रोक पाते? क्या फिर लौट पाएगा बच्चा, बचपन और अनुशासन और बच्चों का झुण्ड, आंगन में किलकारी, दौड़ना, कूदना, लड़ना और एक हो जाना! शायद लंबा इंतजार करना होगा, कितना? यह तो किसी को नहीं पता।

(लेखिका, इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन्स में इंजीनियर हैं।)

वृद्धजनों पर बढ़ते अत्याचारों की खबरें समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय

- योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति में सदा से बड़ों के आदर-सम्मान की परम्परा रही है लेकिन आज दुनिया के अन्य देशों सहित हमारे देश में भी वृद्धजनों पर बढ़ते अत्याचारों की खबरें समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। अधिकांश परिवारों में वृद्ध जिस तरह की उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं, उससे ज्यादा पीड़ादायक और क्या हो सकता है। समृद्ध परिवार होने के बावजूद घर के बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में जीवनयापन करने को विवश हैं। बहुत से मामलों में बच्चे ही उन्हें बोझ मानकर वृद्धाश्रमों में छोड़ आते देते हैं। हालांकि यह उम्र का ऐसा पड़ाव होता है, जब उन्हें परिजनों के अपनेपन, प्यार और सम्मान की सर्वाधिक जरूरत होती है। एक व्यक्ति जिस घर-परिवार को बनाने में अपनी पूरी जिंदगी खपा देता है, वृद्धावस्था में जब उसी घर में उसे अवांछित वस्तु के रूप में देखा जाने लगता है तो लगता है जैसे उस घर में रहने वालों की इंसानियत और उनके संस्कार मर चुके हैं।

विश्वभर में ऐसे हालात को देखते हुए ही वृद्धजनों के लिए कुछ कल्याणकारी कदम उठाने की जरूरत महसूस हुई थी। इसीलिए वर्ष 1982 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा देते हुए 'सबके लिए स्वास्थ्य' अभियान का शुरू किया था। वृद्धों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता व उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र ने 14 दिसंबर 1990 को निर्णय लिया कि प्रतिवर्ष एक अक्तूबर का दिन दुनियाभर में 'अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल के बाद एक अक्तूबर 1991 को पहली बार यह दिवस मनाया गया, जिसे 'अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस' के नाम से भी जाना जाता है। बुजुर्गों के प्रति वैसे तो सभी के हृदय में हर पल, हर दिन सम्मान का भाव होना चाहिए लेकिन दिल में छिपे इस सम्मान को व्यक्त करने के लिए औपचारिक तौर पर यह दिन निश्चित किया गया।

1991 में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरूआत के बाद वर्ष 1999 को पहली बार 'बुजुर्ग वर्ष' के रूप में भी मनाया गया था। इस वर्ष 'अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' 'स्थानीय और वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाने वाले वृद्धजन : हमारी आकांक्षाएं, हमारा कल्याण, हमारे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय लचीले और समतामूलक समाजों के निर्माण, अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को बढ़ावा देने तथा वृद्ध लोगों के अधिकारों और कल्याण को नीति और कार्रवाई का केंद्र बनाने में वृद्धों की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर देता है।

भारतीय समाज में संयुक्त परिवार को हमेशा से अहमियत दी गई है लेकिन आज के बदलते परिवेश में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की अवधारणा खत्म होती जा रही है। यही कारण है कि लोग अपने बुजुर्गों से दूर होते जा रहे हैं और नई पीढ़ी दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार से वंचित होती जा रही है। एकल परिवार के बढ़ते चलन के कारण ही परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा होने लगी है। न चाहते हुए भी बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर हैं। इसका एक गंभीर परिणाम यह देखने को मिला है कि बुजुर्गों के प्रति अपराध भी तेजी से बढ़े हैं। शहरों-महानगरों में आए दिन बुजुर्गों को निशाना बनाए जाने की खबरें दहला देती हैं।

दूसरा गंभीर परिणाम यह कि बच्चों को बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण उनके जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। एक सर्वे के अनुसार दादा-दादी या नाना-नानी के साथ रहने वाले बच्चों का विकास अकेले रहने वाले बच्चों की तुलना में कहीं ज्यादा अच्छा और मजबूत होता है और ऐसे बच्चों में आत्मविश्वास भी अधिक देखने को मिला है। आज पति-पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं, ऐसे में बच्चे घर में अकेले रहते हैं और कम उम्र में ही उनमें अवसाद जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने हालांकि वर्ष 1999 में एक राष्ट्रीय नीति बनाई थी तथा उससे पहले वर्ष 2007 में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक भी संसद में पारित किया गया था, जिसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा का प्रावधान था लेकिन इसके बावजूद देशभर में वृद्धाश्रमों में बढ़ती संख्या इस तथ्य को इंगित करती है कि भारतीय समाज में वृद्धों को उपेक्षित किया जा रहा है। कुछ समय पहले 96 देशों में कराए गए एक सर्वे के बाद 'ग्लोबल एज वॉच इंडेक्स' जारी किया गया था। उस सूचकांक के मुताबिक करीब 44 फीसदी बुजुर्गों का मानना था कि उनके साथ सार्वजनिक स्थानों पर दुर्व्यवहार किया जाता है जबकि 53 फीसदी बुजुर्गों का कहना था कि समाज उनके साथ भेदभाव करता है।

भारतीय संस्कृति में जन्म देने वाली मां और पालन करने वाले पिता का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है। सदियों से मान्यता रही है कि जिन घरों में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वे तीर्थस्थल से कम नहीं होते। ऐसे में वृद्धों के उत्पीड़न और उपेक्षा की घटनाएं बढ़ना गंभीर संकट का संकेत है। दरअसल वृद्धावस्था हर व्यक्ति के जीवन का एक पड़ाव है। यदि आज हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं तो आने वाले समय में हमें भी अपने बच्चों से कोई अच्छी उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए। वृद्धावस्था में बुजुर्ग शारीरिक रूप से शिथिल भी हो जाएं तो परिजनों का कर्त्तव्य है कि पूरे सम्मान के साथ उनका ध्यान रखा जाए। वृद्धावस्था में शारीरिक स्थिति में बदलव आना सामान्य बात है। बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, याद्दाश्त कमजोर पड़ने, भूलने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं लेकिन दवाओं के साथ-साथ परिजनों के अच्छे व्यवहार की मदद से ऐसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

आर्थिक समस्या से जूझते वृद्धों के लिए लगभग सभी पश्चिमी देशों में पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था है। भारत में भी वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा है लेकिन उनके सामने स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा अकेलेपन की जो समस्या है, उसका इलाज नहीं है। यह अकेलापन वृद्धजनों को भीतर ही भीतर सालता रहता है। हालांकि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय निश्चित रूप से वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाएगा और इससे देश में करीब साढ़े चार करोड़ परिवारों को लाभ होने की उम्मीद है लेकिन बुजुर्गों के मामले में कई बार चिंताजनक स्थिति यह होती है कि बीमारी के समय में भी सांत्वना देने वाला उनका कोई अपना उनके पास नहीं होता। हालांकि आज कुछ ऐसी संस्थाएं हैं, जो एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे वृद्धों के लिए निःस्वार्थ भाव से काम कर रही हैं लेकिन ये संस्थाएं भी अपनों की महसूस होती कमी की भरपाई तो नहीं कर सकती। बहरहाल, वृद्धजनों को अपने परिवार में भरपूर मान-सम्मान मिले, इसके लिए सामाजिक जागरूकता जैसी पहल की सख्त दरकार है ताकि वृद्धों के प्रति परिजनों की सोच सकारात्मक होने से बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम जैसे स्थानों की समाज में आवश्यकता ही महसूस नहीं हो।

मंदिर का धन देवता का, सरकार का नहीं; हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला और धर्मनिरपेक्षता की सच्ची कसौटी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का हालिया फैसला जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि मंदिर का धन देवता का है, सरकार का नहीं। वस्तुतः न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति राकेश कैंथला की खंडपीठ ने अपने 38 पन्नों के विस्तृत निर्णय में मंदिरों की दान राशि के उपयोग पर सख्त दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि मंदिरों में आने वाला हर चढ़ावा देवी-देवताओं का है और इसका उपयोग धार्मिक, धर्मार्थ और सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यों में ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस निर्णय ने हिमाचल प्रदेश के साथ पूरे देश में एक पुराने और उपेक्षित प्रश्न को पुनः जीवित कर दिया है, जब मस्जिदों, चर्चों और गुरुद्वारों की आय में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता, तो हिंदू मंदिरों की निधि पर सरकारी नियंत्रण क्यों

भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है, परंतु व्यवहार में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ कई बार हिंदू धार्मिक संस्थानों पर नियंत्रण बनकर रह गया है। देश के कई राज्यों में मंदिर देवस्थान विभागों द्वारा संचालित होते हैं, जहाँ मंदिरों की दान राशि का उपयोग लोक कल्याण योजनाओं या प्रशासनिक कार्यों में नाम पर किया जाता है। वहीं मस्जिदों की संपत्ति वक्फ बोर्ड के अधीन, चर्च की संपत्ति चर्च ट्रस्टों के अधीन और गुरुद्वारों की निधि स्वयंभू प्रबंधक समितियों के नियंत्रण में रहती है। हिन्दू धर्म को छोड़कर ऐसा ही अन्य रिलीजन का हाल है।

प्रश्न यह है कि क्या धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यही होना चाहिए कि राज्य हिंदू संस्थानों को रेगुलेट करे और अन्य धर्मों की संस्थाओं को स्वायत्तता दे हिमाचल हाईकोर्ट ने इसी विषमता को रेखांकित करते हुए कहा कि मंदिरों में आने वाला दान श्रद्धालुओं का भगवान पर विश्वास है, उसे राज्य के राजस्व की तरह उपयोग करना अनुचित है और यह आस्था के साथ विश्वासघात है।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि देवता एक विधिक इकाई (द्भह्वह्म्द्बह्यह्लद्बष् श्चद्गह्म्ह्यश्ठ्ठ) हैं और मंदिर की निधि उसी देवता की संपत्ति है। सरकार या मंदिर अधिकारी उसके संरक्षक मात्र हैं। यदि कोई ट्रस्टी मंदिर निधि का दुरुपयोग करता है, तो यह आपराधिक विश्वासघात (ष्ह्ह्ध्द्दद्दड्डद्य ड्ढह्म्द्गड्डष्द्ध श्च्द्ध ह्लह्म्ह्वह्यह्ल) माना जाएगा। अदालत ने आदेश दिया कि सभी मंदिर ट्रस्ट अपनी मासिक आय-व्यय रिपोर्ट, ऑडिट सारांश और दान का ब्यौरा सार्वजनिक करें, ताकि भक्तों का विश्वास बना रहे और पारदर्शिता सुनिश्चित हो।

निर्णय में अदालत ने मंदिर निधियों के उपयोग की सीमाएँ भी तय कीं — यह राशि देवी-देवताओं की देखभाल, मंदिरों के रखरखाव और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में उपयोग होगी। इसके अतिरिक्त, इसका उपयोग गुरुकुलों की स्थापना, गोशालाओं के संचालन, पुजारियों के प्रशिक्षण, यज्ञशालाओं के निर्माण, अस्पृश्यता मिटाने और अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित करने जैसे धर्मार्थ कार्यों में किया जा सकेगा। दअदालत ने सख्ती से कहा कि मंदिर निधियों का उपयोग सरकारी योजनाओं, सड़कों-पुलों के निर्माण, निजी व्यवसायों, होटलों या मॉल संचालन, या मंदिर अधिकारियों के निजी लाभ के लिए नहीं किया जा सकता।

अब देखा जाए तो यह प्रश्न नया नहीं है। 1954 में सुप्रीम कोर्ट ने श्री लक्ष्मिंदर थिरुमलाई देवस्वामिगल बनाम कमिश्नर, हिंदू रिलीजीयस एंडोमेंट मामले में कहा था कि मंदिर एक सार्वजनिक धार्मिक संस्था है और देवता उसकी विधिक इकाई हैं। 1983 में तमिलनाडु हाईकोर्ट ने कहा था कि राज्य मंदिर निधियों को अपने राजकोष में शामिल नहीं कर सकता क्योंकि वे धार्मिक उद्देश्य के लिए प्राप्त होती हैं। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमाला ट्रस्ट से जुड़े आदेशों में दोहराया कि मंदिर ट्रस्ट की भूमिका धार्मिक और धर्मार्थ कार्यों तक सीमित है। हिमाचल हाईकोर्ट का ताजा फैसला इन्हीं सिद्धांतों की पुनः पुष्टि करता है और इसे अधिक ठोस एवं पारदर्शी रूप में सामने लाता है।

यह सवाल वर्षों से हिंदू समाज में गूंज रहा है; जब वक्फ बोर्ड अपनी संपत्तियों और दान पर पूर्ण नियंत्रण रख सकता है, जब चर्च ट्रस्टों को सरकारी हस्तक्षेप से स्वतंत्रता प्राप्त है, जब गुरुद्वारा प्रबंधक समितियाँ अपनी निधियों को अपने धार्मिक उद्देश्य से जोड़कर उपयोग करती हैं, जब इसी तरह बौद्ध, जैन या अन्य अपनी संपत्ति का उपयोग अपने पंथ के हित में करती हैं, तो हिंदू मंदिरों की निधियों पर सरकार का अधिकार क्यों

यह वर्तमान की एक बड़ी सच्चायी है कि हिंदू मंदिरों से प्राप्त धनराशि सरकार के राजकोष में चली जाती है और कई बार उस धन से ऐसी योजनाएँ चलती हैं जिनका धर्म या मंदिर से कोई संबंध नहीं। दूसरी ओर, वही करदाता, जो मंदिर में दान देता है पहले से सरकार को कर भी दे चुका होता है। ऐसे में मंदिर में दान की गई राशि पर सरकार का दावा अनुचित और असमान है। हिमाचल हाईकोर्ट का यह निर्णय इसी असमानता को न्यायिक रूप से चुनौती देता है। अदालत ने कहा, जब सरकार मंदिर निधियों को अपने नियंत्रण में लेती है, तो वह श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ विश्वासघात करती है। मंदिर निधि कोई सार्वजनिक खजाना नहीं, यह धर्म और आस्था की निधि है।

इसी विषय पर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका पहले से लंबित है, जिसमें यह मांग की गई है कि हिंदू मंदिरों की आय का उपयोग धार्मिक, सांस्कृतिक और समाजसेवी कार्यों में हो। हिमाचल हाईकोर्ट का निर्णय इस याचिका को और प्रासंगिक बना देता है। अब आवश्यकता है कि सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर शीघ्र सुनवाई करे और यह सुनिश्चित करे कि भारत की धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के लिए समान रूप से लागू हो, किसी एक धर्म पर नियंत्रण और दूसरे को स्वतंत्रता देना धर्मनिरपेक्षता नहीं, असंतुलन है।

यह निर्णय धार्मिक संस्थानों की निधियों तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र में राज्य और आस्था के बीच की सीमाएँ तय करने वाला फैसला है। अदालत ने यह सिद्ध किया कि धर्मनिरपेक्षता का अर्थ धर्म से दूरी नहीं, बल्कि सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और निष्पक्षता है। जब मस्जिद का धन वक्फ बोर्ड का, चर्च का धन चर्च ट्रस्ट का, और गुरुद्वारे का धन गुरु घर का है, तब मंदिर का धन भी देवता का होना चाहिए। भक्तों का अर्पण सरकार के राजकोष में नहीं, उनके ईश्वर की सेवा में लगना चाहिए।

इस आधार पर यहां निशचित ही यही कहना होगा कि आज हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का यह फैसला कानून, धर्म और पारदर्शिता का संगम है। इसने स्थापित किया है कि मंदिर की निधि कोई सार्वजनिक फंड नहीं, बल्कि श्रद्धा का प्रतीक है। इस निर्णय ने एक नई बहस को भी जन्म दिया है, क्या भारत में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सभी धर्मों के लिए समान स्वतंत्रता होगा या हिंदू संस्थानों के लिए नियंत्रण का पर्याय बनी रहेगी

अब यह जिम्मेदारी सर्वोच्च न्यायालय और नीति निर्माताओं की है कि वे इस असमानता को समाप्त करें और यह सुनिश्चित करें कि हर धार्मिक संस्था चाहे फिर वह मंदिर ही हो, अपने धर्म और विश्वास के अनुरूप स्वतंत्र रूप से संचालित होगी, उसमें किसी सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। वास्तव में हिमाचल हाईकोर्ट का यह निर्णय यही स्मरण कराता है कि दान भगवान का होता है, सरकार का नहीं।

नीलम करवरिया कप : इलाहाबाद पश्चिमी और मेजा को मिली जीत

एजेंसी

प्रयागराज। नीलम करवरिया कप टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में इलाहाबाद पश्चिमी और मेजा विधानसभा ने अपने-अपने मुकाबले में जीत दर्ज की। गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर बुधवार को खेले गए पहले मैच में बारा विधानसभा ने 19.5 ओवर में 136 रन (वंश केसरवानी 55, तेजस मिश्र 37, मोहम्मद अरमान 4-12, मोहम्मद तैमूर 4-19) बनाये। जवाब में इलाहाबाद पश्चिम ने 16.2 ओवर में 2 विकेट पर 141 रन (हिमांशु द्विवेदी 79 नाबाद, आदित्य तिवारी 39 नाबाद, राहुल यादव 1-12, अखिलेश यादव 1-24) बना लिए। हिमांशु द्विवेदी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में मेजा विधानसभा ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन (विनय यादव 60, रोशन कुशवाहा 32, सचिन यादव 26, प्रियांशु कुमार 4-27, करम पाल 2-28) बनाकर हंडिया विधानसभा को 20 ओवर में 5 विकेट पर 135 रन (ऋषि 53, अंकुर यादव 42, संदीप पटेल 2-23, अर्जुन दुबे, विनय यादव व इशांत कुमार निषाद एक-एक विकेट) पर सीमित किया। विनय यादव को मैन ऑफ द मैच चुना गया। कल पहला सेमीफाइनल सोरांव व प्रतापपुर के बीच सुबह आठ बजे से और दूसरा सेमीफाइनल इलाहाबाद उत्तरी और फाफामऊ विधानसभा के बीच दोपहर 12 बजे से खेला जाएगा।

भारतीय सेना ने आर्मी गुडविल स्कूल पोथा पुंछ में वार्षिक खेल दिवस का किया आयोजन

पुंछ। ऑपरेशन सद्भावना के तहत आर्मी गुडविल स्कूल (पोथा ने अपने वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सभी कक्षाओं के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 50 मीटर दौड़, रस्साकशी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, जलेबी दौड़, ट्रिपल जंप, सैक रेस और खो-खो सहित विभिन्न प्रकार की एथलेटिक और टीम स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में ऊर्जा, अनुशासन और खेल भावना का उच्च स्तर देखने को मिला और प्रत्येक प्रतिभागी ने उल्लेखनीय उत्साह और टीम भावना का प्रदर्शन किया। विजेताओं को व्यक्तिगत उत्कृष्टता और सामूहिक प्रयास दोनों के लिए पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए। दो दिवसीय समारोह में कुल 398 छात्रों और 26 कर्मचारियों ने भाग लिया। एजीएस पोथा के प्रधानाचार्य और आसपास के स्कूलों के कर्मचारियों ने इस अवसर पर उपस्थित होकर छात्रों की लगन, दृढ़ता और प्रतिस्पर्धात्मक भावना की सराहना की। इस कार्यक्रम ने न केवल युवा विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को उजागर किया बल्कि ऑपरेशन सद्भावना के तहत समग्र शिक्षा के मूल स्तंभों, अनुशासन, टीम वर्क और लचीलेपन के मूल्यों को भी पुष्ट किया।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल, शिरडी साईं, सेंट मीरा व आरएसडी एकेडमी की टीमें जीतीं

मुरादाबाद। बास सिटी सहोदय द्वारा आयोजित इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को चार मैच खेले गए। दिल्ली रोड स्थित एमपीएस स्कूल के मैदान पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरे दिन कांटे की टक्कर हुई। मॉडर्न पब्लिक स्कूल, शिरडी साईं, सेंट मीरा व आरएसडी एकेडमी की टीम ने अपने-अपने मैच जीते। एमपीएस के प्रधानाचार्य शकील अहमद ने मैच का उद्घाटन किया। पहला मैच मॉडर्न पब्लिक स्कूल और पीएमएस पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया। एमपीएस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 10 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 167 रन का लक्ष्य दिया। पीएमएस की टीम 10 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 66 रन ही बना सकी। एमपीएस ने 101 रन से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरा मैच आरएसडी एकेडमी और आर्यभट्ट इंटरनेशनल स्कूल के बीच खेला गया। आरएसडी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। 10 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 93 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में आर्यभट्ट की टीम तीन विकेट के नुकसान पर 89 रन बनाकर ढेर हो तीसरा मैच शिरडी साईं विंग-1 और कृष्णा ग्राम भारती स्कूल के बीच हुआ। शिरडी साईं ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। 10 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 124 रन का लक्ष्य दिया। कृष्णा ग्राम भारती की टीम आठ ओवर में महज 39 रन बनाकर ढेर हो गई। चौथा मैच बोनी एनी पब्लिक स्कूल और शिरडी साईं विंग-2 की बीच खेला गया। इसमें बोनी एनी की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी की।

महिला विश्व कपः धीमी ओवर गति के लिए भारतीय क्रिकेट टीम पर जुर्माना

नई दिल्ली। विशाखापट्टनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए आईसीसी महिला विश्व कप मैच में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण भारतीय टीम पर मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इस मुकाबले में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भारत द्वारा दिए गए 330 रनों के लक्ष्य को तीन विकेट और एक ओवर शेष रहते ही हासिल कर लिया। आईसीसी के मुताबिक समय सीमा में छूट का आकलन करने के बाद भी भारत की टीम एक ओवर पीछे पाई गई। इसके बाद एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरीज़ के मिशेल परेरा ने यह जुर्माना लगाया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यदि कोई टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करती है, तो प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत काटा जाता है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस गलती को स्वीकार कर लिया, जिसके बाद किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर सू रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स ने लगाया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पर्थ पहुंची टीम इंडिया

एजेंसी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम पर्थ पहुंच गई है। भारत की वनडे टीम के प्रमुख खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और नए कप्तान शुभमन गिल गुरुवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर पहुंचे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 19 अक्टूबर से होगी। कोहली, रोहित और गिल के अलावा के.एल. राहुल, यशस्वी जायसवाल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी टीम के साथ पर्थ पहुंचे। उड़ान में देरी के कारण टीम को निर्धारित समय से देर से पर्थ पहुंचना पड़ा। इनके साथ कुछ सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी आए हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर और कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य बुधवार शाम दिल्ली से रवाना हुए थे और वे दिन में बाद में टीम से जुड़ेंगे। सीरीज का पहला मैच पर्थ में 19 अक्टूबर को खेला जाएगा। इसके

बाद दूसरा मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड और तीसरा व अंतिम वनडे 25 अक्टूबर को सिडनी में होगा। वनडे सीरीज के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज को लेकर खास उत्साह है क्योंकि यह रोहित शर्मा और विराट कोहली की मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। शुभमन गिल को वनडे का कप्तान बनाए जाने के बाद दोनों सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हैं। रोहित और कोहली पहले ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों 2027 वनडे विश्व कप तक खेलने के इच्छुक हैं। कप्तान शुभमन गिल भी इस विचार के समर्थन में बोल चुके हैं। उन्होंने कहा था, वो अनुभव जो इन दोनों खिलाड़ियों के पास है और भारत को जिताने में उनका जो योगदान रहा है, वैसे बहुत कम खिलाड़ी होते हैं जिनके पास इतनी स्किल, क्वालिटी और अनुभव हो। ऐसे खिलाड़ी दुनिया में भी बहुत कम हैं। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत के दौरान गिल ने इशारा किया था कि रोहित और कोहली 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रह सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी 2025-26 : अभिनव तेजराना ने प्रथम श्रेणी डेब्यू पर जड़ा दोहरा शतक, गोवा के लिए रचा इतिहास

एजेंसी

पोरवोरिम (गोवा)। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में गोवा के युवा बल्लेबाज़ अभिनव तेजराना ने अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण (डेब्यू) मैच में शानदार दोहरा शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ गोवा क्रिकेट एसोसिएशन अकादमी ग्राउंड पर यह उपलब्धि हासिल की। 24 वर्षीय तेजराना ने 301 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया और प्रथम श्रेणी डेब्यू पर दोहरा शतक लगाने वाले गोवा के पहले बल्लेबाज़ बन गए। वे इस उपलब्धि को हासिल करने वाले भारत के केवल 13वें खिलाड़ी हैं। तेजराना ने 320 गेंदों में 205 रन बनाए, जिसमें 21 चौके और चार छक्के शामिल थे। इस दौरान उनका ललित यादव के साथ चौथे विकेट के लिए 309 रनों की साझेदारी रही, जो गोवा के चौथे विकेट के रिकॉर्ड से सिर्फ एक रन कम रही। यह रिकॉर्ड राहुल केनी और अजय रात्रा के नाम है।गौरतलब है कि बिहार के साकिबुल गनी के नाम प्रथम श्रेणी डेब्यू पर सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2021-22 सीज़न में मिजोरम के खिलाफ 341 रन बनाए थे।

कार्लोस अल्कराज ने 'सिक्स किंग्स स्लैम' में खेलने के फैसले का बचाव किया, कहा, 'टूर के थकाऊ शेड्यूल से ये बेहतर'

एजेंसी

रियाद (सऊदी अरब)। विश्व नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने सऊदी अरब में होने वाले 'सिक्स किंग्स स्लैम' प्रदर्शनी टूर्नामेंट में खेलने के अपने फैसले का बचाव किया है। अल्कराज ने हाल ही में कहा था कि व्यस्त शेड्यूल के चलते वे कुछ एटीपी टूर्नामेंट्स से हटने पर विचार कर सकते हैं ताकि अपनी फिटनेस और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे सकें।

पुरुष और महिला टेनिस सर्किट करीब 11 महीने तक चलते हैं और लंबे प्रारूप के कारण खिलाड़ियों पर शारीरिक और मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। एशियाई स्विंग के दौरान गर्मी और नमी की वजह से कई खिलाड़ियों को चोट और थकान के कारण टूर्नामेंट से हटना पड़ा। इस बीच प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने मार्च में खेल की शासी संस्थाओं के खिलाफ मुकदमा दायर किया था, जिसे 'अस्थिर शेड्यूल' बताया गया था। टोक्यो में खिताब जीतने के बावजूद टखने की चोट से जूझ रहे अल्कराज ने इसके

बाद शंघाई टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था, लेकिन अब उनका 'सिक्स किंग्स स्लैम' में उतरना, जहां 1.5 मिलियन (करीब 12.5 करोड़ रुपये) की उपस्थिति राशि और 6 मिलियन (करीब 50 करोड़ रुपये) का विजेता चेक है, आलोचना का विषय बन गया। अल्कराज ने आलोचना पर कहा,'यह फॉर्मेट बिल्कुल अलग है। प्रदर्शनी मैचों में उतनी मानसिक और शारीरिक थकान नहीं होती जितनी आधिकारिक टूर्नामेंट में 15-16 दिन लगातार खेलने पर होती है। यहां हम बस 1-2 दिन मज़े के लिए खेलते हैं और दर्शकों को एंटरटेन करते हैं। पिछले साल के विजेता जैनिक सिनर भी इस बार रियाद में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने शंघाई में क्रैम्प्स की वजह से जल्दी बाहर होने के बाद प्रदर्शनी इवेंट को चुना।

मेजबान हांगकांग ने हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए टीम घोषित की

एजेंसी

नई दिल्ली। हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए मेजबान हांगकांग ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर को हांगकांग के टिन क्वांग रोड क्रिकेट ग्राउंड में होगा। अनुभवी ऑलराउंडर यासिम मुर्तजा की अगुवाई में हांगकांग अपने घरेलू दर्शकों के सामने दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगा। मुर्तजा ने 60 से ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हांगकांग का प्रतिनिधित्व किया है और हाल ही में एशिया कप 2025 में टीम का हिस्सा थे। हांगकांग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक बाबर हयात विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। एक शतक सहित 2000 से ज्यादा टी20 रन बनाने वाले हयात टीम में बहुमूल्य अनुभव और स्थिरता लेकर आते हैं। टीम में एक और अहम बल्लेबाज अंशुमान रथ हैं, जो ओडिशा में जन्मे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय में लंबा अनुभव है। शीर्ष क्रम में उनकी निरंतरता उन्हें टीम के बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बनाती है। टीम के बारे में बात करते हुए हांगकांग के कोच कौशल सिल्वा ने एक बयान में कहा, हांगकांग सिक्सेस एक अनूठा प्रारूप है जो हमारे खिलाड़ियों की ताकत के अनुकूल है। हम हांगकांग में आने वाले कुछ विश्व स्तरीय खिलाड़ियों से चुनौती मिलने को लेकर उत्साहित हैं। इस टूर्नामेंट की एक समृद्ध विरासत है, जिसमें खेल की कुछ सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं सामने आती हैं। हमारा उद्देश्य न केवल अच्छा प्रदर्शन करना है, बल्कि उस विरासत का सम्मान करना और हांगकांग के

क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करना है। हांगकांग चीन ने कभी भी हांगकांग सिक्सेस नहीं जीता है, लेकिन 2009 में दक्षिण अफ्रीका से आखिरी गेंद पर हारकर उपविजेता बनकर वे खिताब के करीब पहुंच गए थे। 2025 के संस्करण के लिए उन्हें श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ पूल डी में रखा गया है।

वेक्टर एक्स बना आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का आधिकारिक एथलीट किट पार्टनर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स ब्रांड, वेक्टर एक्स ने समावेशी खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए इंडियन ब्लाइंड फुटबॉल फेडरेशन (आईबीएफएफ) के साथ साझेदारी की। कंपनी आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के लिए अब आधिकारिक एथलीट किट पार्टनर है। इस साझेदारी को खास बनाता है वेक्टर एक्स का आईबीएफएफ के साथ चल रहा सहयोग, जिसके तहत कंपनी ने साउंड बॉल तैयार की है। यह एक ऐसी अनोखी फुटबॉल है, जो विशेष रूप से दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए बनाई गई है। इस बॉल में आवाज़ वाले उपकरण और लो-बाउंस ब्लैडर लगाए गए हैं, जिससे खिलाड़ी गेंद की आवाज़ के जरिए खेल को समझ और नियंत्रित कर सकते हैं। इस नवाचार ने देशभर के दृष्टिबाधित फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए खेल को अधिक सुलभ और रोमांचक बना दिया है। वर्ष 2016 में स्थापित आईबीएफएफ

भारत में ब्लाइंड फुटबॉल की राष्ट्रीय शासी संस्था है और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अंतर्गत काम करती है। इस संस्था ने देश के 24 राज्यों में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में अहम्भू मिका निभाई है और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत की मौजूदगी को मजबूत बनाया है।

आईबीएफएफ के डायरेक्टर सुनील मैथ्यू ने कहा: ब्लाइंड फुटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। वेक्टर एक्स हमारे लिए सिर्फ एक सहयोगी नहीं, बल्कि ऐसा साथी है, जो हमारे खिलाड़ियों का साथ देता है और उनके लिए लगातार नवाचार करता है। वेक्टर एक्स के मार्केटिंग हेड, बलजिंदर पाल सिंह ने कहा , हर खिलाड़ी उस उपकरण का हकदार है, जो उसे ताकत दे, प्रेरित करे और उसके प्रदर्शन को बेहतर बनाए। वेक्टर एक्स साउंड बॉल खिलाड़ियों को आवाज़ के सहारे खेलने की सुविधा देता है, जिससे मैदान एक ऐसी सिम्फनी बन जाता है जिसमें हुनर, हिम्मत और सटीकता की झंकार होती है।

साझा दृष्टिकोणः सीमाओं से परे खेल- वेक्टर एक्स और आईबीएफएफ मिलकर यह साबित कर रहे हैं कि समावेशिता कोई विकल्प नहीं बल्कि भविष्य है। यह साझेदारी ब्रांड्स, फेडरेशंस और प्रशंसकों के लिए एक संदेश है कि यह खूबसूरत खेल सबका है।

ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक चैंपियन एरियर्न टिटमस ने तैराकी से लिया संन्यास

एजेंसी

मेलबर्न।ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता तैराक एरियर्न टिटमस ने 25 वर्ष की उम्र में प्रतिस्पर्धी तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। टिटमस ने बुधवार को अपना निर्णय सार्वजनिक किया, जिससे उनका शानदार करियर समाप्त हो गया–एक ऐसा करियर जिसमें उन्होंने अमेरिकी स्टार कैटी लेडेकी के साथ खेल इतिहास की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक को जन्म दिया। टिटमस ने आठ ओलंपिक पदक और चार विश्व खिताब अपने नाम किए हैं। उनका यह फैसला ऑस्ट्रेलिया के लिए चौंकाने वाला है क्योंकि वे लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में वापसी की योजना बना रही थीं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में टिटमस ने कहा, यह बहुत कठिन फैसला था, लेकिन मैं इससे खुश हूं। मुझे तैराकी से हमेशा प्यार रहा है। यह मेरा बचपन का सपना था। लेकिन कुछ समय पूल से दूर रहने के बाद मुझे एहसास हुआ कि जीवन में कुछ चीजें मेरे लिए तैराकी से भी ज़्यादा अहम हैं। टिटमस ने पेरिस ओलंपिक में 400 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में एक बार फिर गोल्ड मेडल जीतकर सुर्खियां बटोरी थीं। इसे रेस ऑफ द सेंचुरी कहा गया था, जब उन्होंने लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टॉश को पछाड़कर अपना खिताब बरकरार रखा।

आईसीसी वनडे रैंकिंगः राशिद खान फिर नंबर 1 गेंदबाज, इब्राहिम जादरान ने रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की धमाकेदार सीरीज़ जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने आईसीसी पुरुष वनडे गेंदबाज़ी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान फिर से हासिल कर लिया है। आईसीसी की ताज़ा रैंकिंग अपडेट 15 अक्टूबर को जारी की गई।

राशिद ने सीरीज़ में कुल 11 विकेट झटके, जिसमें दूसरे मैच में शानदार पांच विकेट भी शामिल हैं। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाते हुए 710 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वह दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (680 अंक) से 30 अंक आगे हैं।राशिद पहली बार सितंबर 2018 में नंबर 1 बने थे और पिछली बार नवंबर 2024 में इस पोजीशन पर थे।

अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज अज़मतुल्लाह उमरजई ने भी शानदार प्रदर्शन किया और सात विकेट लेने के बाद रैंकिंग में 19 स्थान की छलांग लगाकर 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज (चार स्थान ऊपर, 24वां) और तंज़ीम हसन साकिब (24 स्थान ऊपर, 67वां) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

इब्राहिम जादरान का रिकॉर्ड

वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान ने करियर की सर्वश्रेष्ठ दूसरी रैंक हासिल की है। उन्होंने सीरीज़ में सबसे ज़्यादा 213 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुने गए। उनका रेटिंग स्कोर अफगान बल्लेबाज़ों में अब तक का सबसे ऊंचा है, जिसने रहमानुल्लाह गुरबाज़ के 686 अंकों को पीछे छोड़ दिया है। रहमानुल्लाह दो स्थान ऊपर बढ़कर 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि बांग्लादेश के तौहीद हृदॉय (42वां) और मोहम्मद नबी (50वां) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। अज़मतुल्लाह और राशिद ने ऑलराउंडर रैंकिंग में भी कमाल किया है। अज़मतुल्लाह फिर से नंबर 1 ऑलराउंडर बन गए हैं, जबकि राशिद चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

कुलदीप यादव ने टेस्ट में करियर बेस्ट रैंकिंग हासिल की

भारत के स्पिनर कुलदीप यादव ने आईसीसी टेस्ट गेंदबाज़ी रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ मैच में आठ विकेट झटके। वेस्टइंडीज़ के जोमेल वॉरिकन और रोस्टन चेज़ भी रैंकिंग में क्रमशः 30वें और 57वें स्थान पर आए हैं।

यशस्वी जायसवाल का धमाका

भारत के सलामी बल्लेबाज़ यशस्वी जायसवाल ने दूसरी टेस्ट पारी में 175 रन बनाकर बल्लेबाज़ी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर जगह बनाई है। वहीं केएल राहुल दो स्थान ऊपर बढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज़ के शाई होप (66वां) और जॉन कैंपबेल (68वां) की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 के तहत तीन मसौदा नियमों पर जनता से टिप्पणियां आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 के तहत तीन अहम मसौदा नियमों पर जनता और हितधारकों से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

इसमें शामिल हैं-

1. राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल निकाय) नियम
2. राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल बोर्ड) नियम
3. राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण) नियम

यह अधिनियम लोकसभा में 11 अगस्त 2025 और राज्यसभा में 12 अगस्त 2025 को पारित हुआ था। 18 अगस्त को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद इसे राजपत्र में अधिसूचित किया गया। इस कानून का उद्देश्य खेल निकायों के प्रशासन में पारदर्शिता लाना, खिलाड़ियों के हितों की रक्षा करना और देश में खेलों के संचालन व संवर्धन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना है।

मसौदा नियमों की प्रमुख बातें:

1. राष्ट्रीय खेल निकाय नियमः

-उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ियों को शामिल करने की व्यवस्था।

-आम सभा और कार्यकारी समिति की संरचना तय।

-चुनाव प्रक्रिया और सदस्यों के लिए अयोग्यता मानदंड निर्धारित।

-राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल का गठन।

-संबद्ध इकाइयों के पंजीकरण और समय-समय पर अद्यतन की प्रक्रिया।

2. राष्ट्रीय खेल बोर्ड नियमः

-बोर्ड की संरचना और कार्य निर्धारित।

-खोज-सह-चयन समिति का गठन।

-अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया।

-स्टाफ व्यवस्था और विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार द्वारा छूट का प्रावधान।

3. राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण नियमः

-न्यायाधिकरण की संस्थागत संरचना परिभाषित।

-अध्यक्ष, सदस्यों और कर्मचारियों की नियुक्ति, कार्यकाल व सेवा शर्तें।

-खेल विवादों के त्वरित निपटारे के लिए शक्तियां और प्रक्रियाएं तय। मंत्रालय ने इन मसौदा नियमों पर 30 दिनों के भीतर जनता और हितधारकों से प्रतिक्रिया मांगी है।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेज़बानी के लिए अहमदाबाद की सिफारिश पर खेल मंत्री बोले- भारतीय खेलों के लिए ऐतिहासिक पल

नई दिल्ली। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने अहमदाबाद को 2030 शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए प्रस्तावित मेज़बान शहर के रूप में अनुशंसा किए जाने को 'भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल' बताया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला भारत के खेल इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। डॉ. मांडविया ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, '2030 के शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद को प्रस्तावित मेज़बान शहर के रूप में अनुशंसित करने के लिए मैं कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की कार्यकारी बोर्ड का आभारी हूं। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की वैश्विक खेल शक्ति के रूप में बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है।' उन्होंने कहा कि यह विकास भारत के 2036 ओलंपिक खेलों की मेज़बानी के सपने को भी मजबूती देगा। उन्होंने कहा, 'यह केंद्र सरकार की दृष्टि के अनुरूप एक बड़ा कदम है। हाल ही में नई दिल्ली में सफलतापूर्वक विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन कर भारत ने अपनी संगठन क्षमता साबित की है। बीते एक दशक में विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना, नीतिगत सुधारों, खेल विज्ञान और वित्तीय सहयोग के ज़रिए हम 'चैंपियनों का देश' बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं।' मांडविया ने कहा कि भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में हमेशा शानदार प्रदर्शन किया है।

विराट और रोहित के टेस्ट संन्यास पर पूर्व कोच रवि शास्त्री का बड़ा खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने स्पष्ट किया कि विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास अपनी मर्जी से लिया था। फॉक्स क्रिकेट से बात करते हुए शास्त्री ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों को किसी ने भी बाहर जाने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने यह भी कहा कि अगर खेल में मजा या प्रेरणा कम हो जाती है तो दोनों भविष्य में वनडे से भी संन्यास ले सकते हैं।

संन्यास का फैसला और परिस्थितियां

शास्त्री ने बताया, विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, और रोहित ने भी। उन्हें संन्यास लेने के लिए नहीं कहा गया था। वे अपनी शर्तों और मर्जी से गए। यह खुलासा भारत के क्रिकेट प्रेमियों के लिए अहम है, क्योंकि हाल ही में इनके संन्यास को लेकर कई अटकलें और चर्चाएँ चल रही थीं। पूर्व कोच ने याद दिलाया कि कोहली और रोहित ने 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से खुद को अलग कर लिया था। अब वे केवल वनडे में ही खेलते हैं। आगामी 50 ओवरों के विश्व कप को देखते हुए, शास्त्री ने दोनों अनुभवी खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वे हर मैच पर ध्यान केंद्रित करें और लंबी अवधि की योजना बनाएं।

अनुभव और खेल की भूख

शास्त्री ने कहा, (विराट कोहली) लक्ष्य का पीछा करने में माहिर हैं, और रोहित शीर्ष क्रम में विस्फोटक हैं। उन्हें लगता है कि उनमें अभी भी पर्याप्त क्रिकेट है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने भूखे हैं, आप कितने फिट हैं,

और खेल के प्रति आपका जुनून बरकरार है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों की निरंतर भूख और मैदान पर प्रभाव की भी सराहना की। पूर्व कोच ने संकेत दिया कि अगर उनके खेल में मज़ा या फोकस कम हो जाए, तो दोनों स्वयं वनडे से संन्यास ले सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, आप देख सकते हैं कि जब भारत ने टी20 विश्व कप जीता था, तब उन्होंने टी20 प्रारूप को कैसे छोड़ दिया। उनमें से तीन रवींद्र जडेजा, कोहली और रोहित इस विकल्प को अपनाकर चले गए।

नई कप्तानी और भविष्य की चुनौती

भारत की टीम अब नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयार है। इस सीरीज़ में सभी की निगाहें विराट और रोहित पर टिकी रहेंगी। उनके प्रदर्शन, फिटनेस और अनुभव भारतीय क्रिकेट के भविष्य की कहानी को आकार देंगे। शास्त्री ने कहा कि इस जोड़ी का खेल अभी भी टीम के लिए निर्णायक होगा, लेकिन यह उनकी मानसिक स्थिति और खेल की भूख पर भी निर्भर करेगा।

वित्त मंत्री ने कर्नाटक के कोप्पल में किसान प्रशिक्षण एवं कृषि प्रसंस्करण केंद्र का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के चार दिवसीय दौरे पर गई केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोप्पल जिले के मेथागल गांव में कृषि प्रसंस्करण के लिए किसान प्रशिक्षण सह सामान्य सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र स्थानीय किसानों को उनकी उपज का मूल्य बढ़ाने में मदद करने में अहम भूमिका निभाएगा। किसान प्रशिक्षण और सामान्य सुविधा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कहा कि यह पहल फल-आधारित उद्यमों के लिए एक स्थायी, बाजार-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य फल-आधारित उद्यमों के लिए एक स्थायी, बाज़ार-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना, किसानों को सशक्त बनाना और ग्रामीण आजीविका को मज़बूत करना है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडी) योजना के तहत वित्त पोषित, किसान प्रशिक्षण और सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) की शुरुआत की गई है। यह आधुनिक फल प्रसंस्करण और विपणन के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

ग्लोबल मार्केट में पहली बार 4,200 डॉलर के पार पहुंचा सोना, नए शिखर चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार और वायदा बाजार में तो सोना लगातार मजबूती के नए रिकॉर्ड बना ही रहा है, ग्लोबल मार्केट में भी इस चमकीली धातु ने जबरदस्त छलांग लगाई है। सोने ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिजिकल गोल्ड (हाजिर सोना) की कीमत आज 4,209.66 डॉलर प्रति औंस के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, बाद में इस चमकीली धातु की कीमत में मामूली गिरावट भी आई, जिसकी वजह से भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,204.91 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सोने की तरह ही चांदी की कीमत ने भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में जबरदस्त तेजी दिखाई है। आज के कारोबार में चांदी की कीमत 53.54 डॉलर प्रति औंस के ऑल टाइम हाई लेवल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में इसके भाव में भी गिरावट आई। भारतीय समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे चांदी 52.97 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही थी। पिछले साल अक्टूबर के महीने में अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत 27.50 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर थी। इस तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत पिछले एक साल के दौरान लगभग दोगुनी हो गई है।

सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रहीः सियाम

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर महीने में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही है। उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने जारी आंकड़ों में बताया कि सितंबर में निर्माताओं से डीलरों तक यात्री वाहनों की शिपमेंट में सालाना आधार पर चार फीसदी की वृद्धि देखी गई। उद्योग निकाय ने कहा कि सितंबर में कुल 3,72,458 इकाइयां भेजी गईं, जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 3,56,752 थी। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी वृद्धि के साथ 21,60,889 इकाई रही, जबकि सितंबर, 2024 में यह 20,25,993 इकाई रही थी। ये वृद्धि ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक संकेतक है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग और बाजार की मजबूती को दर्शाता है। सियाम ने कहा कि यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ऑटोमोटिव उद्योग के मज़बूत प्रदर्शन को दर्शाती है, क्योंकि निर्माता चुनौतियों का सामना करने और बाजार में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने में लगे हुए हैं। ये आंकड़े उद्योग के भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाते हैं।

बीएलएस इंटरनेशनल को मिला चीन में भारतीय वीजा केंद्रों के परिचालन का ठेका

नई दिल्ली। टेक-आधारित सेवा प्रदाता कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड को चीन में भारतीय वीजा आवेदन केंद्रों की स्थापना और परिचालन का तीन साल का ठेका मिला है। कंपनी ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह ठेका 14 अक्टूबर से प्रभावी हो गया है। समझौते की शर्तों के तहत उसे चीन की राजधानी बीजिंग के अलावा शंघाई और ग्वांग्झू में भी वीजा आवेदन केंद्रों की स्थापना और संचालन की जिम्मेदारी दी गयी है। विभिन्न देशों की सरकारों और मिशनों को वीजा, दूतावासों से संबंधित तथा अन्य सेवाएं प्रदान करने वाली बीएलएस इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक शिखर अग्रवाल ने इसे कंपनी के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने इसके लिए विदेश मंत्रालय को धन्यवाद दिया है। ठेका मिलने की घोषणा के बाद आज कंपनी के शेयरों में 10 प्रतिशत की जबरदस्त उछाल देखा गया। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने कंपनी को दो साल के लिए विदेश स्थित भारतीय मिशनों से संबंधित किसी भी ठेके के लिए बोली लगाने से प्रतिबंधित कर दिया था जिसके बाद कंपनी के शेयर 18 फीसदी से अधिक टूट गये थे। हालांकि यह प्रतिबंध सिर्फ नयी निविदाओं पर लागू होंगे। उल्लेखनीय है कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी के कुल राजस्व में भारतीय मिशनों का योगदान लगभग 12 प्रतिशत और परिचालन लाभ में आठ प्रतिशत था।

आईएमएफ का वृद्धि अनुमान बढ़ाना भारत की आर्थिक मजबूती का प्रमाणः पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) का चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 फीसदी करना देश की आर्थिक मजबूती और मजबूत बुनियादी ढांचे का प्रमाण है। आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 6.6 फीसदी कर दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली में रसायन एवं पेट्रोरसायन उद्योग के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे

अधिक है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि देश में निवेश, उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी में कटौती के कारण आर्थिक आत्मविश्वास को दर्शाती है। इसी महीने विश्व बैंक ने भी भारत के वृद्धि अनुमान को 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था। गोयल ने उद्योग से वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नेतृत्व करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी उद्योग मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में मामूली रियायतों को लेकर अनावश्यक आपत्ति करता है, जो देश की कमजोर छवि पेश करता है। उन्होंने आपूर्ति शृंखला की मजबूती और विविधीकरण पर जोर देते हुए कहा कि एक ही आपूर्तिकर्ता या सीमित देशों पर निर्भरता से इस क्षेत्र में जोखिम उत्पन्न हो सकता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि कुछ उत्पादों के लिए घरेलू संरक्षण जरूरी हो सकता है लेकिन अन्य मामलों में उद्योग को वैश्विक बाजारों के साथ जुड़े रहकर अपनी दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हम निश्चित रूप से अपनी आपूर्ति शृंखलाओं में किसी एक भौगोलिक क्षेत्र की कृपा पर नहीं रहना चाहते हैं जो किसी एक उद्योग को पंगु बना दे। हालांकि, कुछ ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें ठोस संरक्षण की जरूरत है।'

खान मंत्रालय ने राज्य खनन तैयारी सूचकांक और राज्य रैंकिंग जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने गुरुवार को खनन क्षेत्र में सुधारों को बढ़ावा देने के लिए राज्य खनन तत्परता सूचकांक (एसएमआरआई) और राज्य रैंकिंग जारी की है। इसके लिए केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषणा की गई थी। खान मंत्रालय के मुताबिक यह रैंकिंग राज्यों में खनन क्षेत्र में सुधारों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सूचकांक को बनाने में नीलामी प्रदर्शन, शीघ्र खदान परिचालन, अन्वेषण पर जोर और गैर-कोयला खनिजों से संबंधित सतत खनन जैसे

संकेतक शामिल किये गए हैं, जो खनन क्षेत्र में राज्य के प्रदर्शन को रेखांकित करने के लिए प्रासंगिक हैं। मंत्रालय के मुताबिक एसएमआरआई के तहत राज्यों को उनके खनिज भंडार के आधार पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। श्रेणी-ए में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले राज्य मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात हैं, जबकि श्रेणी बी में गोवा, उत्तर प्रदेश और असम शीर्ष तीन स्थान पर हैं। श्रेणी सी में पंजाब, उत्तराखंड और त्रिपुरा शीर्ष तीन स्थान पर हैं।

डॉलर की तुलना में मजबूत हुआ रुपया, 72 पैसे की तेजी के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का संकेत देने और डॉलर इंडेक्स की कमजोरी का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूती के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 72 पैसे उछल कर 88.08 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 88.80 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।

रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 54 पैसे की तेजी के साथ 88.26 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण रुपया ओपनिंग लेवल से 13 पैसे कमजोर होकर 88.39 के स्तर तक गिर गया। इसके बाद भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रुपये को सहारा देने के लिए हस्तक्षेप करने की खबर ने मुद्रा बाजार को काफी प्रभावित किया। इस खबर की वजह से भारतीय मुद्रा 1.05

रुपये की मजबूती के साथ 87.75 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गई। हालांकि, बाद में रिजर्व बैंक की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं होने पर रुपया इस स्तर से नीचे लुढ़कने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 72 पैसे की तेजी के साथ 88.08 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूत प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 25.55 पैसे की तेजी के साथ 117.55 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 15.52 पैसे की बढ़त के साथ 102.44 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

मिडवेस्ट लिमिटेड का आईपीओ पहले दिन 1.84 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। क्वार्ट्ज प्रोसेसर मिडवेस्ट लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली लगाने के पहले दिन 1.84 गुना पूर्ण अभिदान प्राप्त (सब्सक्राइब) हुआ है, जो इस आईपीओ के लिए खुदरा और गैर-संस्थागत निवेशकों की ओर से जबरदस्त मांग को दर्शाता है। स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक क्वार्ट्ज प्रोसेसर मिडवेस्ट लिमिटेड के इस निर्गम को 31,17,460 इक्विटी शेयरों के मुकाबले 57,33,840 शेयरों की बोलियां प्राप्त हुईं। खुदरा और गैर-संस्थागत शेयरों को क्रमशः 1.60 गुना और 4.17 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। वहीं, योग्य संस्थागत क्रेता (क्यूआईबी) को 0.50 गुना और कर्मचारी शेयरों को 2.54 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। देश में ब्लैक गैलेक्सी और एब्सोल्यूट ब्लैक ग्रेनाइट की सबसे बड़ी उत्पादक कंपनी क्वार्ट्ज प्रोसेसर मिडवेस्ट लिमिटेड का आईपीओ आज को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला, जो शुक्रवार, 17 अक्टूबर को बंद हो जाएगा। इश्यू खुलने से एक दिन पहले मिडवेस्ट लिमिटेड ने एंकर निवेशकों से 135 करोड़ रुपये

जुटाए थे। क्वार्ट्ज प्रोसेसर मिडवेस्ट लिमिटेड के 451 करोड़ रुपये के आईपीओ में 250 करोड़ रुपये का एक नया इश्यू और 201 करोड़ रुपये का एक ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 1014-1065 रुपये प्रति शेयर तय किया है। शेयर मार्केट में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 24 अक्टूबर की जाएगी। क्वार्ट्ज प्रोसेसर मिडवेस्ट लिमिटेड न केवल क्वार्ट्ज प्रोसेसिंग में अग्रणी है, बल्कि यह भारत की सबसे बड़ी ब्लैक गैलेक्सी ग्रेनाइट और एब्सोल्यूट ब्लैक ग्रेनाइट उत्पादक कंपनी भी है। इस कंपनी के पास प्राकृतिक पत्थर उद्योग में 4 दशक से अधिक का अनुभव है, जो अपने व्यवसाय में स्थायित्व पर विशेष ध्यान देती है। यह भारत में ब्लैक गैलेक्सी और एब्सोल्यूट ब्लैक ग्रेनाइट का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो भारतीय खनन और निर्माण उद्योग की कैप्टिव खपत और बाजार की मांग, दोनों को पूरा करता है।

चांदी की चमक से सर्राफा बाजार हैरान, चेन्नई और हैदराबाद में चांदी 2.07 लाख रुपये के स्तर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोना और चांदी ने अपनी रफ्तार से सबको हैरान कर दिया है। खासकर, चांदी के भाव में आए उछला ने मार्केट एक्सपर्ट्स को भी हैरान कर दिया है। आज इस चमकीली धातु की कीमत हैदराबाद और चेन्नई में 2 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।इसके पहले आज दिल्ली में चांदी ने 1,89,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। इसी तरह चेन्नई और हैदराबाद में चांदी की शुरुआत 1,96,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से हुआ थी। दोपहर बाद चांदी की कीमत में तेजी का रुख बन गया। इस तेजी के साथ ही चांदी ने एक बार फिर

मजबूती का एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। चेन्नई और हैदराबाद में चांदी की कीमत एक ही दिन में 10 हजार रुपये से अधिक की छलांग लगाकर 2,07,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई। चेन्नई और हैदराबाद के अलावा दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, गुरुग्राम, लखनऊ, गाजियाबाद, जयपुर, पटना और भुवनेश्वर में चांदी शाम 6 बजे तक का कारोबार होने के बाद 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंची हुई थी। दूसरी ओर, बेंगलुरु में चांदी की कीमत 1,93,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंची हुई है। जानकारों का कहना है कि धनतेरस और दीपावली के पहले सर्राफा बाजार में जबरदस्त खरीदारी का रुख बना हुआ है। त्योहार और शादी विवाह के सीजन की जोरदार मांग के कारण चांदी रोज मजबूती का नया रिकॉर्ड बना रही है। खासकर गहने बेचने वाले रिटेल ज्वेलर्स की डिमांड ने सर्राफा बाजार में चांदी और सोने जैसे चमकीली धातुओं की कीमत को काफी तेज कर दिया है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि भारत में त्योहारी और शादी विवाह का सीजन होने के साथ ही इंडस्ट्रियल सेक्टर में चांदी की बढ़ी हुई मांग ने भी इस चमकीली धातु की कीमत को और तेज कर दिया है।

दो दिनों की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी, शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद उछले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दो दिनों तक कमजोरी का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। पहले 1 घंटे के कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। इस वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का संकेत देने, इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स (इंडिया वीआईएक्स) में गिरावट आने, कच्चे तेल के भाव में नरमी आने, डॉलर की तुलना में रुपये के मजबूत होने और मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से शेयर बाजार में आज पूरे दिन उत्साह का माहौल बना रहा। आज दिनभर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

एयर इंडिया 26 अक्टूबर से सर्दियों के दौरान शुरू करेगी 174 नई साप्ताहिक उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने 26 अक्टूबर से उत्तरी शीतकालीन कार्यक्रम के तहत प्रमुख घरेलू और कम दूरी के अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 174 साप्ताहिक उड़ानें जोड़ने की घोषणा की है। एयर इंडिया इनका संचालन अपने सिंगल-आइल विमानों के जरिए करेगी। इन उड़ानों से भारतीय शहरों के साथ दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लोकप्रिय गंतव्यों के लिए क्नेक्विटी और मजबूत होगी। एयरलाइंस ने जारी एक बयान में बताया कि नई उड़ानें शुरू करने से भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के प्रमुख शहरों से कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। एयरलाइंस ने कहा कि 15 नवंबर से दिल्ली-कुआलालंपुर साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 7 गुना से बढ़ाकर 10 गुना की जाएगी। दिल्ली-देनपसार (बाली) के लिए एक दिसंबर से साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 7 गुना से बढ़ाकर 10 गुना कर दी गई है।

राजस्थान के लिए (26 अक्टूबर से) :-

दिल्ली-जयपुर (नया रूट), 3 उड़ानें रोजाना

दिल्ली-जैसलमेर (नया रूट), 2 उड़ानें रोजाना

दिल्ली-उदयपुर, 2 से बढ़ाकर 3 उड़ानें रोजाना

मुंबई से राजस्थान के लिए फ्लाइट

मुंबई-जयपुर, 3 से बढ़ाकर 4 उड़ानें रोजाना

मुंबई-उदयपुर, 3 से बढ़ाकर 4 उड़ानें रोजाना

मुंबई-जोधपुर, 1 से बढ़ाकर 2 उड़ानें रोजाना

मध्य प्रदेश के लिए

दिल्ली-इंदौर, 3 से बढ़ाकर 4 उड़ानें रोजाना

दिल्ली-भोपाल, 2 से बढ़ाकर 3 उड़ानें रोजाना

मुंबई-इंदौर, 1 से बढ़ाकर 2 उड़ानें रोजाना

गुजरात के लिए फ्लाइट

मुंबई-भुज, 1 से बढ़ाकर 2 उड़ानें रोजाना

दिल्ली-राजकोट, 1 से बढ़ाकर 2 उड़ानें रोजाना

अन्य रूटों पर बढ़ीं उड़ानें

दिल्ली-वाराणसी, रायपुरः 2 से बढ़ाकर 3 उड़ानें रोजाना

दिल्ली-पोर्ट ब्लेयर, औरंगाबाद, गुवाहाटी, नागपुरः 1 से बढ़ाकर 2 उड़ानें रोजाना

मुंबई-देहरादून, पटना, अमृतसरः 1 से बढ़ाकर 2 उड़ानें रोजाना

अंतरराष्ट्रीय रूट पर नई उड़ानें

दिल्ली-कुआलालंपुरः 7 से बढ़ाकर 10 उड़ानें प्रति सप्ताह (15 नवंबर से) और दिल्ली-देनपासार (बाली):7 से बढ़ाकर 10 उड़ानें प्रति सप्ताह (1 दिसंबर से) शुरू होगी।

एयर इंडिया ने कहा कि एयरलाइन ने अपने पुराने एयरबस ए320 विमानों में बड़े पैमाने पर सुधार किए हैं। 27 में से 26 विमानों में अब नया इंटीरियर और तीन क्लास बिजनेस, प्रीमियम इकोनॉमी और इकोनॉमी की सुविधा है। एयरलाइंस के पास अब 100 से ज्यादा ए320 फैमिली विमान हैं, जो 80 से ज्यादा घरेलू और शॉर्ट इंटरनेशनल रूट्स पर यात्रियों को बेहतर और आरामदायक यात्रा का अनुभव देंगे।

प्रधानमंत्री 16 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश में 13,430 करोड़ की विकास परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास, उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री श्रीशैलम स्थित प्रसिद्ध श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके अलावा वे कुरनूल में 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री सुबह नंदयाल जिले के श्रीशैलम स्थित प्रसिद्ध श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा-अर्चना करेंगे। यह मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों और 52 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां एक ही परिसर में ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ दोनों स्थित हैं, जिससे यह देशभर में अद्वितीय धार्मिक स्थल बनता है। प्रधानमंत्री इसके बाद श्रीशैलम स्थित श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र का दौरा करेंगे। यह केंद्र छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित एक स्मारक परिसर है, जिसमें ध्यान मंदिर के चारों कोनों पर उनके चार प्रमुख किलों—प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी—के मॉडल बने हैं। केंद्र में शिवाजी महाराज की ध्यान मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। यह स्मारक 1677 में शिवाजी महाराज की श्रीशैलम यात्रा की स्मृति में स्थापित श्री शिवाजी स्मारक समिति द्वारा संचालित किया जाता है। इसके बाद प्रधानमंत्री कुरनूल जाएंगे, जहां दोपहर लगभग 2:30 बजे वे लगभग 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इन परियोजनाओं में उद्योग, सड़क, रेलवे, ऊर्जा, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। इनका उद्देश्य क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना और आंध्र प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति देना है। प्रधानमंत्री 2,880 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कुरनूल-III पूलिंग स्टेशन पर पारेषण प्रणाली सुदृढ़ीकरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इससे 6,000 एमवीए की परिवर्तन क्षमता बढ़ेगी और नवीकरणीय ऊर्जा के पारेषण को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक विकास को बल देने के लिए, प्रधानमंत्री कुरनूल के ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र और कडप्पा के कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला रखेंगे, जिन पर कुल 4,920 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। इन परियोजनाओं से करीब एक लाख रोजगार सृजित होने और 21,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की संभावना है।

देश का निर्यात सितंबर में 6.74 फीसदी बढ़कर हुआ 36.38 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सितंबर में देश का निर्यात 6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया। आयात 16.6 फीसदी बढ़कर 68.53 अरब डॉलर रहा। इस दौरान व्यापार घाटा 32.1 अरब डॉलर रहा। सोना, चांदी, उर्वरक और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात में इजाफा होने के कारण आयात में वृद्धि हुई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि भारत का निर्यात सितंबर में

6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर रहा। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार आयात 16.6 फीसदी बढ़कर 68.53 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 32.1 अरब डॉलर रहा है। सोना, चांदी, उर्वरक और इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों के आयात में वृद्धि के कारण आयात बढ़ा है। मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही अप्रैल-सितंबर के दौरान निर्यात 3.02 फीसदी बढ़कर 220.12 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान आयात 4.53 फीसदी बढ़कर 375.11 अरब डॉलर रहा।

कृषि को लाभकारी बनाने के लिए पीएमएफएमई, पीएमडीडीकेवाई का फायदा उठाएं किसान : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली/कोप्पल। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि को लाभकारी व्यवसाय में बदलने के लिए किसानों से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को संगठित क्षेत्र में लाने की योजना पीएमएफएमई और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) का पूरा लाभ उठाने की अपील की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कर्नाटक के कोप्पल जिले के मेथागल गांव में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि नई पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार ग्रामीण और कृषि समुदायों के लिए भी फायदेमंद होंगे। इस केंद्र की स्थापना निर्मला सीतारमण के 'सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि' (एमपीएलएडी) से की गई है।

सीतारमण ने आगे कहा, दीर्घकालिक रूप से जब हम मूल्य संवर्धन की बात करते हैं, तो प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएम-एफएमई) योजना तुरंत ध्यान में आती है। वित्?त मंत्री ने बताया कि पीएमएफएमई योजना कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत केंद्र सरकार वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है और उद्यमों को आधुनिक बनाने में मदद करती है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित कर गांवों में रोजगार सृजन पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2020 से अब तक केंद्र सरकार ने राज्यों को 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की है। किसानों के लिए 11,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए जा

चुके हैं, जबकि एक लाख से अधिक कृषि उद्यमी सामने आए हैं।'' सीतारमण ने पीएमडीडीकेवाई योजना का जिक्र करते हुए कहा, ''वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में इस योजना के तहत 24,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कोप्पल इस योजना से लाभान्वित होने वाले जिलों में से एक है।'' उन्?होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसलों का विविधीकरण प्रोत्साहित करना और 100 कम उत्पादक जिलों में किसानों की आजीविका सुधारना है। उन्होंने बताया कि जैव कीटनाशकों, सूक्ष्म पोषक तत्वों और जैव उर्वरकों पर भी जीएसटी दरों में कटौती की गई है।वित्त मंत्री ने बताया कि कर्नाटक के 43 लाख किसान 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के लाभार्थी हैं, जिसके तहत उन्हें प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन किस्तों में सीधे उनके खातों में दिए जाते हैं। सीतारमण ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर दिवाली से पहले जीएसटी परिषद ने नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार किए, जिसको नवरात्रि के पहले दिन लागू कर दिया गया। अब कृषि उपकरण, सौर ऊर्जा संयंत्र, ट्रैक्टर और कृषि मशीनरी पर कर या तो हटा दिए गए हैं या 12 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दिए गए हैं।''

हमास से मिले दो और शव रेडक्रॉस ने इजराइल को सौंपे, समूह ने कहा-सभी मृत बंधक वापस, दावे पर ट्रंप भड़के

एजेंसी

तेल अवीव। हमास ने रेडक्रॉस को दो और बंधकों के सौंप दिए। इसके बाद रेडक्रॉस के अधिकारियों ने दोनों शव इजराइली सेना को सौंप दिए। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने इसकी पुष्टि की। हमास ने दावा किया है कि उसने अब सभी मृत बंधकों को वापस कर दिया है। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, शवों को पहचान के लिए अबू कबीर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन ले जाया गया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजरायल को रोके रखा है। अगर हमास समझौते को बरकरार नहीं रखता तो इजराइल की फिर गाजा पट्टी में वापसी होगी। अन्य रिपोर्ट्स के अनुसार, इजराइली अधिकारियों ने कहा कि हमास की तरफ से सौंपे गए चौथे शव की पहचान फिलीस्तीनी नागरिक के तौर पर हुई है। वह बंधक नहीं था। आईडीएफ ने कहा कि युद्धविराम समझौते के तहत हमास को सभी जीवित और मृत बंधकों को सोमवार तक सौंपना था। इससे पहले हमास ने मंगलवार रात गाजा सिटी में रेडक्रॉस को चार शव सौंपे थे। इन्हें बाद में इजरायली सेना को सौंपा गया। सोमवार को हमास ने अंतिम 20 जीवित बंधकों को रिहा किया था। युद्धविराम समझौते की शर्तों के अनुसार सभी 28 मृत बंधकों के शव सोमवार दोपहर तक लौटाए जाने थे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह चुके हैं कि अगर हमास ने निशस्त्रीकरण से इनकार किया तो तबाही मच जाएगी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने 48 घंटे के अस्थायी संघर्षविराम पर जताई सहमति

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने 48 घंटे के अस्थायी संघर्षविराम पर सहमति जताई है। पाकिस्तान सरकार ने यह जानकारी दी। हालांकि अफगानिस्तान की ओर से इस समझौते पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय दोनों देशों के बीच हाल के सीमा तनाव को कम करने के उद्देश्य से लिया गया है। संघर्षविराम तत्काल प्रभाव से लागू होगा और दोनों पक्षों की सेनाएं 48 घंटे तक किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई नहीं करेंगी। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारी बातचीत जारी रखेंगे ताकि स्थायी समाधान की दिशा में प्रगति की जा सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और अफगानिस्तान स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे से 48 घंटों के लिए अस्थायी युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस अवधि के दौरान दोनों पक्ष रचनात्मक बातचीत के जरिए इस जटिल लेकिन सुलझने योग्य मुद्दे का सकारात्मक समाधान निकालने के लिए गंभीरता के साथ प्रयास करेंगे। इससे पहले अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक एक्स पोस्ट में पाकिस्तानी सेना पर अफगानिस्तान पर हल्के और भारी हथियारों से गोलीबारी करके सीमा पर लड़ाई शुरू करने का आरोप लगाया, जिसमें 12 नागरिक मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हुए। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपने दावों में अफगान तालिबान को भारी नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

पाकिस्तानी सेना का 50 तालिबान लड़ाकों को मार गिराने का दावा

रावलपिंडी। पाकिस्तानी सेना ने बलोचिस्तान में चमन के स्पिन बोल्दक इलाके में अफ़ग़ान तालिबान और उग्रवादी संगठन फितना अल-ख़वारिज के कई हमलों को नाकाम करते हुए कम से कम 50 तालिबान लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार स्पिन बोल्डक में अफगान तालिबान के हमले को नाकाम करते हुए सेना की जवाबी कार्रवाई में कई लड़ाके मारे गए। बुधवार सुबह अफ़ग़ान तालिबान ने स्पिन बोल्डक में चार जगहों पर हमले किए, जिन्हें पाकिस्तानी सेना ने नाकाम कर दिया। हमलावरों ने पाकिस्तान-अफ़ग़ान मैत्री द्वार को भी नष्ट करने की कोशिश की जो सीमा व्यापार और कबाइली आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण चौराहा है।आईएसपीआर ने स्पष्ट किया कि मंगलवार देर रात खैबर पख्तूनख्वा में कुर्रम सीमा क्षेत्र पर भी इसी तरह के हमले का प्रयास किया गया , जिन्हें विफल कर दिया गया। सेना ने पुष्टि की कि जवाबी कार्रवाई में अफ़ग़ान ठिकानों को भारी नुकसान हुआ और उसके छह टैंकों सहित आठ चौकियां नष्ट हो गईं। अनुमान है कि इस दौरान 25 से 30 अफ़ग़ान तालिबान और फ़ितना अल-ख़वारिज के लड़ाके मारे गए।

स्पेन के खिलाफ आयात शुल्क समेत अन्य जुर्माना लगाएंगे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पेन को धमकी देते हुए कहा है कि वह उसके खिलाफ आयात शुल्क समेत अन्य व्यापारिक जुर्माना लगाएंगे। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, मैं स्पेन से बहुत नाखुश हूं। वह अकेला ऐसा देश हैं जिसने रक्षा खर्च में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी नहीं की है। इसलिए मैं स्पेन से खुश नहीं हूं। उन्होंने कहा कि वह रक्षा खर्च को बढ़ाने के स्पेन के इनकार से नाखुश हैं और इस कदम को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की बेइज्जती मानते हैं। ट्रंप ने कहा, मैं इसके लिए स्पेन पर आयात शुल्क के जरिए व्यापारिक जुर्माना लगाने के बारे में सोच रहा था। मुझे लगता है कि मैं ऐसा कर सकता हूं। गौरतलब है कि ट्रंप ने नाटों के सदस्य देशों पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने के लिए दबाव डाला है और उन सदस्यों की मदद करने में आनाकानी की है जो ऐसा नहीं कर रहे हैं।

ट्रंप अब रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने की राह पर, जेलेंस्की से करेंगे मुलाकात

एजेंसी

वाशिंगटन । गाजा पट्टी में युद्धविराम योजना के सूत्रधार बने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप अब यूक्रेन और रूस के बीच शांति के प्रयास की दिशा में कदम बढ़ाने वाले हैं। ट्रंप जल्द ही यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से मिलेंगे। व्हाइट हाउस में होने वाली इस मुलाकात से पहले अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारी द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी का कहना है कि राष्ट्रपति आशावादी हैं। मध्य पूर्व की तरह वह यूक्रेन में शांति स्थापित कर सकते हैं। ट्रंप की शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति के साथ बैठक निर्धारित है। अमेरिका के ऑनलाइन समाचार पोर्टल द पॉलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार जेलेंस्की एक सप्ताह से ट्रंप से मिलने को उत्सुक हैं। यह भेंट ट्रंप प्रशासन का ध्यान मध्य पूर्व से हटाकर रूस

की ओर मोड़ने के समन्वित प्रयास का हिस्सा है। अमेरिका में यूक्रेन की नई राजदूत ओल्गा स्टेफनिशिना ने बयान में कहा कि दोनों राष्ट्रपति टॉमहॉक्स, वायु रक्षा प्रणाली, ऊर्जा क्षमता और ड्रोन उत्पादन में सहयोग बढ़ाने के लिए कीव के अनुरोध पर चर्चा करेंगे। यूक्रेन की राजदूत स्टेफनिशिना ने कहा कि यह बातचीत का बिल्कुल नया तरीका है। सैन्य टीमें दो सप्ताह से काम कर रही हैं। इससे पहले जेलेंस्की ने सोमवार को यूक्रेनी पत्रकारों को बताया था कि ट्रंप ने उन्हें वाशिंगटन में ऊर्जा कंपनियों से मिलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा था कि इस समय उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को रूसी मिसाइल हमलों से बचाना है। जेलेंस्की ने गाजा पट्टी में युद्धविराम लागू होने के अगले दिन राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि अब दुनिया में शांति के लिए मजबूत आधार है। राष्ट्रपति ट्रंप अब रूस पर आक्रमण रोकने के लिए वास्तव में दबाव डाल सकते हैं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने भी जोर देकर कहा कि रूस को उसकी सैन्य और आर्थिक स्थिति के कारण बातचीत के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

भारतीय विमानों के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र अभी भी बंद रहेंगे-पीएए

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद रखने की अवधि अगले एक महीने तक के लिए बढ़ा दी है। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण (पीएए) ने इस आशय की घोषणा की। इससे पहले 23 सितम्बर को भारत ने पाकिस्तान के लिए भारतीय वायु क्षेत्र के प्रयोग पर प्रतिबंध एक माह के लिए बढ़ा दिया था। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में इसी साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों ने भारतीय नागरिकों का धर्म पूछकर जनसंहार किया था। जिसके बाद 30 अप्रैल को भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अनेक कठोर कदम उठाए थे। इसी के तहत पाकिस्तानी विमानों के भारतीय क्षेत्र में आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद 6-7 मई को भारत की तरफ से शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से दोनों देशों के बीच स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों देशों ने एक दूसरे के वायु क्षेत्र में प्रतिबंध लगा रखा है।

पीएए ने एक नया 'नोटिस टू एयरमेन' (एनओटीएएम) जारी किया है, जिसके अनुसार भारत में पंजीकृत विमानों, पट्टे पर लिए गए विमानों और सभी भारतीय एयरलाइनों एवं ऑपरेटरों द्वारा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उपयोग करने पर प्रतिबंध 23 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है।

इजरायल स्थित अमेरिका के नेतृत्व वाला गाजा पुनर्निर्माण केंद्र जल्द काम करना शुरू करेगा

एजेंसी

यरुशलम। फिलीस्तीन में गाजा युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए इजरायल स्थित अमेरिका के नेतृत्व वाला समन्वय केंद्र आने वाले दिनों में काम करना शुरू कर देगा।एबीसी न्यूज़ प्रसारक ने दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि इस केंद्र का नेतृत्व एक अमेरिका के लेफ्टिनेंट जनरल द्वारा किए जाने की उम्मीद है, जिनकी पहचान अभी तक उजागर नहीं की गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्र के पुनर्निर्माण में शामिल अन्य देशों के प्रतिनिधियों के लिए खुलापन सुनिश्चित करने के लिए यह केंद्र किसी इजरायली सैन्य अड्डे पर स्थित नहीं होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह सिसी, कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने गाजा युद्धविराम पर एक व्यापक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। उसी दिन, फिलिस्तीनी आंदोलन हमास ने इजरायल के साथ एक समझौते के तहत सात अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया है। फ़िलिस्तीनी कैदियों के मीडिया कार्यालय ने पुष्टि की है कि इजरायल ने गाजा में बंद 1718 फ़िलिस्तीनी कैदियों और लंबी सजा काट रहे 250 अन्य कैदियों को रिहा कर दिया है। श्री ट्रम्प की 20-सूत्रीय गाजा शांति योजना 29 सितंबर को जारी की गई थी। इसमें तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया गया था, बशर्ते बंधकों की रिहाई 72 घंटों के भीतर हो। दस्तावेज में यह भी प्रस्ताव रखा गया था कि हमास या अन्य फिलिस्तीनी सशस्त्र गुटों की गाजा पट्टी के सत्ता में कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए और इस परिक्षेत्र का नियंत्रण श्री

ट्रम्प के नेतृत्व वाली एक अंतरराष्ट्रीय संस्था की देखरेख वाली एक तकनीकी समिति को सौंप दिया जाना चाहिए।

इसके अलावा गाजा शहर के अधिकारियों ने बताया है कि अक्टूबर 2023 में इजरायल द्वारा शुरू किए गए हमले के बाद से शहर का 80 प्रतिशत से ज़्यादा बुनियादी ढाँचा पूरी तरह से नष्ट हो चुका है। अधिकारी अब भारी उपकरणों और मानवीय सहायता की आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए जमीनी, समुद्री और हवाई गलियारों की तत्काल स्थापना की मांग कर रहे हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले में ट्रक पलटा, परिवार के 15 सदस्यों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आज तड़के हुए सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। यह हादसा स्वात जिले में हुआ। रेस्क्यू 1122 के एक अधिकारी के अनुसार, स्वात जिले में पंजाब जा रहे एक ट्रक के पलट जाने से कम से कम 15 लोगों की जान चली गई। सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं।डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, मलकंद रेस्क्यू 1122 की प्रवक्ता शफीका गुल ने एक बयान में कहा, गुरुवार सुबह स्वात मोटर-वे की सुरंग संख्या 3 के पास एक ट्रक के पलट जाने से एक ही परिवार के कम से कम 15 सदस्यों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि मृतकों और घायलों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। बयान में कहा गया है, परिवार बहरीन तहसील के गबराल इलाके का रहने वाला था और जब यह दुखद घटना हुई तब वे पंजाब जा रहे थे।प्रवक्ता के अनुसार, बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे और मोटर-वे

पुलिस के साथ मिलकर राहत अभियान चलाया। घायलों को बटखेला स्थित जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है और उन्हें स्वात रेफर कर दिया गया है।

पिछले महीने डेरा इस्माइल खान में ब्रेक फेल होने के कारण एक ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे। 11 सितंबर को मनसेहरा में एक जीप के खड्ड में गिर जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए थे। उससे दो दिन पहले हरिपुर के हजारा मोटर-वे पर एक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में राजमार्गों और मोटर-वे पर दुर्घटनाएं आम हैं। यह दुर्घटनाएं लापरवाही से गाड़ी चलाने, चालक की थकान और वाहनों के खराब रखरखाव के कारण होती हैं। सड़कों की खराब स्थिति भी हादसों के लिए जिम्मेदार है। यातायात कानूनों के कमजोर होने के कारण लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं।

बांग्लादेश में जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह कराने के समय पर राजनीतिक दलों में गतिरोध

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में जुलाई चार्टर पर राष्ट्रीय जनमत संग्रह कराने के समय को लेकर राजनीतिक असहमति अंतरिम सरकार धर्मसंकट में है। संकेत हैं कि मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस जल्द ही निर्णायक हस्तक्षेप कर सकते हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी में होने वाले आगामी राष्ट्रीय चुनाव के दिन ही जनमत संग्रह कराने का प्रस्ताव रखा है। इसके उलट बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) जैसी पार्टियां जनमत संग्रह चुनाव से पहले कराने की मांग कर रही हैं। जमात और एनसीपी का तर्क है कि चार्टर पर जनता की राय मतदान से पहले जाननी चाहिए। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिम सरकार कल (शुक्रवार) जुलाई के राष्ट्रीय (जुलाई) चार्टर पर हस्ताक्षर करने वाली है इसे कैसे लागू किया जाए, इस पर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद बने हुए हैं। इन मतभेदों को पाटने और हस्ताक्षर से

पहले अनिश्चितता को दूर करने के प्रयास में सर्वसम्मति आयोग के अध्यक्ष डॉ. यूनुस ने बुधवार को प्रमुख राजनीतिक दलों और गठबंधनों के नेताओं से चर्चा की। चर्चा के बाद वामपंथी गठबंधन ने अनसुलझे मुद्दों का हवाला देते हुए घोषणा की कि वह चार्टर पर हस्ताक्षर नहीं करेगा। एनसीपी नेता अख्तर हुसैन ने कहा कि जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर करने के पार्टी के फैसले की समीक्षा की जा रही है। बताया गया है कि अंतरिम सरकार के विभाग भी जनमत संग्रह की समय-सीमा को लेकर विभाजित हैं। जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर समारोह कल राष्ट्रीय संसद के साउथ प्लाजा में निर्धारित है। इसमें कम से कम 30 राजनीतिक दलों के शामिल होने की उम्मीद है। जनमत संग्रह का मूल प्रस्ताव राष्ट्रीय सहमति आयोग का है। अब आयोग अंतरिम सरकार को संभावित तिथियों का सुझाव देते हुए एक औपचारिक पत्र भेजने की तैयारी कर रहा है। आयोग के सदस्य प्रोफेसर डॉ. बदीउल आलम मजूमदार ने पुष्टि की है कि अभी तक समय सीमा तय नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा, हमने जनमत संग्रह कब होगा, इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है। चुनाव से पहले जनमत संग्रह कराने के समर्थकों का कहना है कि इससे राजनीतिक दलों को जनता की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करने का मौका मिलेगा। इस मसले पर बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की अध्यक्षता में स्थायी समिति ने सोमवार रात बैठक की।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को ढाका के एवर केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को आज तड़के डॉक्टरों की सलाह पर राजधानी के एवर केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य शायरुल कबीर खान ने इसकी पुष्टि की। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी प्रमुख को करीब 11:40 बजे उनके गुलशन स्थित आवास अस्पताल ले जाया गया। उनकी निगरानी कर रहे मेडिकल बोर्ड की सिफारिश पर उन्हें आज तड़के अस्पताल में भर्ती कर लिया गया। लगभग 80 वर्षीय खालिदा जिया लंबे समय से स्वास्थ्य जटिलताओं से घिरी हैं। वह लिवर सिरोसिस, किडनी की समस्या, हृदय रोग, मधुमेह और गठिया से पीड़ित हैं। उन्होंने 28 अगस्त को इस अस्पताल मे स्वास्थ्य की जांच कराई थी। इस साल की शुरुआत में खालिदा जिया आठ जनवरी को उच्च इलाज के लिए लंदन गई थीं। वह लंदन के एक

क्लिनिक में 17 दिन भर्ती रहीं। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे तारिक रहमान के आवास पर विशेषज्ञ चिकित्सक प्रो. पैट्रिक कैनेडी और प्रो. जेनिफर क्रॉस की देखरेख में अपना इलाज जारी रखा। बीएनपी प्रमुख ब्रिटेन से छह मई को स्वदेश लौटीं। तब से एवर केयर अस्पताल के प्रो. शहाबुद्दीन तालुकदार की अध्यक्षता में गठित मेडिकल बोर्ड की निगरानी में हैं।

अमेरिका जूझ रहा सरकारी शटडाउन से, सीनेट की 15 दिन में नौ बार कोशिश, नहीं पारित हो सका वित्त पोषण विधेयक

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका इन दिनों सरकारी शटटाउन से जूझ रहा है। शटडाउन के 15 दिन गुजर गए। इस दौरान सीनेट ने नौ बार संकट से उबारने के लिए प्रयास किए। सीनेट ने बुधवार को भी सरकार को वित्त पोषण देने के लिए सदन से पारित रिपब्लिकन पार्टी के विधेयक को पारित कराने में विफल रही। सीनेट में फिर एक बार कोशिश होगी।सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट में बुधवार को मतदान में डेमोक्रेट्स का कोई अतिरिक्त समर्थन नहीं मिला। डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य सेवा कर क्रेडिट के विस्तार की मांग कर रहे हैं। रिपब्लिकन को पांच और सीनेटरों को अपने पक्ष में करने के लिए राजी करना होगा। इस बीच

ट्रंप प्रशासन ने अप्रयुक्त अनुसंधान और विकास निधि से सैन्य कर्मियों को वेतन का भुगतान करने की तैयारी की है। इस पर प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने चेतावनी दी कि यह अस्थायी समाधान है और अगर शटडाउन जारी रहा तो सैनिकों को महीने के अंत में अगला वेतन नहीं मिल पाएगा। सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून ने कहा कि वह गुरुवार को पेंटागन को वित्तपोषित करने के लिए साल भर के विनियोग विधेयक को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इसमें अन्य वित्त पोषण विधेयक भी शामिल हो सकते हैं। इस विधेयक को पारित होने के लिए 60 मतों की आवश्यकता होगी। मतदान सुबह 10 बजे होगा। बताया गया है कि सीनेट रिपब्लिकन फंडिंग बिल पर 10वीं बार मतदान करेगी। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने बुधवार को घोषणा की कि ट्रंप प्रशासन ने सरकारी शटडाउन के बावजूद एफबीआई एजेंटों को भुगतान जारी रखने का फैसला किया है। यह फैसला इसलिए खास है कि लगभग सभी संघीय कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया है। काश पटेल ने ओवल ऑफिस पहुंचकर राष्ट्रपति ट्रंप का इसके लिए आभार भी जताया।

निर्वाचन आयोग ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, राजनीतिक दलों से चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने की अपील

एजेंसी

काठमांडु। नेपाल में आम चुनाव के लिए जरूरी तैयारियों को लेकर निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। देश की अंतरिम सरकार ने 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की घोषणा की है।

निर्वाचन आयोग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक बैठक में उन 29 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है जो पिछले संघीय संसद, प्रदेश सभा और स्थानीय चुनाव में कम से कम एक भी सीट पर जीत हासिल की थी। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई ने कहा कि सभी दलों से निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की गई है। इस समय पूरे देश में मतदाता नामावली संकलन का काम चल रहा है। सभी दलों को इस कार्य में भी सहयोग करने की अपील की गई है।हाल ही में सरकार ने नेपाल में मतदान की उम्र सीमा को 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष कर दिया है।

नेपाल में जेन जी विद्रोह के बाद गठित अंतरिम सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए निर्वाचन में मतदान करने की उम्र को 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष किए जाने का फैसला किया था। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से कहा है कि आयोग द्वारा जारी निर्वाचन तालिका के मुताबिक ही सभी दल अपना पंजीकरण और नवीकरण करा लें। आयोग ने आम निर्वाचन में सहभागिता के लिए नए राजनीतिक दलों को अपना दल पंजीकरण कराने के लिए 15 नवंबर तक का समय दिया है। इसी तरह पुराने राजनीतिक दलों को भी इसी अवधि में अपने दल का नवीकरण कराने को कहा गया है।

पाकिस्तान के खिलाफ हमारे संघर्ष का समर्थन करे अफगानिस्तानः बलोच नेता

एजेंसी

क्वेटा। फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट के अध्यक्ष ह्यर्बयार मरी ने अफगानिस्तान का आह्वान किया है कि वह बलोचिस्तान में उनके संघर्ष का समर्थन करे और पाकिस्तान के खिलाफ कंधे से कंधा मिलाकर उनका साथ दे। मरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने अफगानिस्तान के साथ बलोचों के संबधों का हवाला देत हुए कहा कि सदियों से अफगानिस्तान मुश्किल समय में बलोचों के साथ खड़ा रहा है। उसने बलूचों को शरण देकर या उनकी मदद करके हमारा साथ दिया है और जवाब में बलूचों ने भी हमेशा यही किया है। मरी ने कहा, हम, बलोच और अफ़ग़ान हमेशा एक-दूसरे का सहयोग करते रहे हैं और एक-दूसरे के प्रति सम्मान रखते हैं। काबुल और अंग्रेजों द्वारा बनाई गई तथाकथित सीमा डूरंड रेखा पर बिना उकसावे के किए गए हमले, केवल पाकिस्तान को ही लाभ पहुंचाते हैं। इसे बलोच और अफ़गान मान्यता नहीं देते है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कोई विवाद होता है, पाकिस्तान पारगमन व्यापार मार्ग का इस्तेमाल एक हथकंडे के रूप में करता है और अफ़गानों को उस तक पहुंचने से रोकता है जबकि वह व्यापार मार्ग पूरी तरह से पंजाब की बजाय बलोचिस्तान से होकर गुजरता है।

ट्रंप ने कहा-हमास को निशस्त्र करने के लिए अमेरिकी सेना की जरूरत नहीं होगी

एजेंसी

वाशिंगटन। गाजा पट्टी में आतंकवादी संगठन हमास और इजराइल के बीच लागू युद्धविराम के सूत्रधार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहा कि हमास को हर हाल में हथियार छोड़ने होंगे। उन्होंने आश्वस्त होते कहा कि हमास को निशस्त्र कराने के लिए अमेरिकी सेना की जरूरत नहीं पड़ेगी। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने बुधवार को दोहराया, हम चाहते हैं कि हमास हथियार छोड़ दे। हमास ऐसा करने के लिए सहमत भी हो गया है। अब हमास को ऐसा करना ही होगा। अगर वह ऐसा नहीं करता, तो हम उसे ऐसा करने पर बाध्य कर देंगे। उन्होंने पूरी दृढ़ता के साथ कहा कि अमेरिकी सेना को इसमें शामिल होने की जरूरत नहीं होगी।

इससे पहले ट्रंप ने कहा था उग्रवादी समूह का निशस्त्रीकरण गाजा शांति प्रस्ताव का प्रमुख हिस्सा है। युद्धविराम समझौते के पहले चरण में इस पर जोर नहीं दिया गया। इस बीच दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इजराइल

में अमेरिकी नेतृत्व वाला समन्वय केंद्र (कमांड सेंटर) आने वाले दिनों में शुरू हो जाएगा। यह गाजा में युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा। कमांड सेंटर का नेतृत्व शुरू में एक अमेरिकी थ्री-स्टार जनरल करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि कमांडर के पास एक विदेशी डिप्टी भी होगा। वह टू-स्टार अधिकारी के समकक्ष होगा।

इस बीच वरिष्ठ इजराइली अधिकारियों ने हमास पर शांति समझौते के कार्यान्वयन में बाधा डालने का आरोप लगाया है। इजराइली अधिकारियों की इस टिप्पणी पर वरिष्ठ अमेरिकी सलाहकारों ने बुधवार को कहा कि गाजा में युद्ध को समाप्त करने वाला नाजुक शांति समझौता कायम दिख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हमास शेष बंधकों के शवों को वापस करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

वरिष्ठ अमेरिकी सलाहकारों ने कहा, हमने बहुत से लोगों को यह कहते सुना है कि आप जानते हैं हमास ने समझौते का उल्लंघन किया है, क्योंकि सभी शव वापस नहीं किए गए हैं। हमें लगता है कि उनके साथ हमारी यह सहमति थी कि हम सभी जीवित बंधकों को मुक्त कराएंगे, जिसका उन्होंने सम्मान किया और अभी हमारे पास एक तंत्र मौजूद है जिसके तहत हम मध्यस्थों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और उनके साथ मिलकर अधिक से अधिक शवों को बाहर निकालने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सलाहकारों ने कहा कि उनका मानना है कि दोनों पक्ष समझौते पर कायम रहना चाहते हैं।

भारत में परमाणु ऊर्जा की विकास यात्रा

लद्दाख, जम्मू और कश्मीर भी इससे अछूते नहीं

राष्ट्र की सेवा में परमाणु ऊर्जा

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का लक्ष्य देश की बढ़ती ऊर्जा की मांग को पूरा करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। यह भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाता है, कार्बन उत्सर्जन घटाता है और राष्ट्र को स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से आर्थिक विकास के लिए एक विश्वसनीय और स्थिर शक्ति स्रोत प्रदान करता है।

वर्तमान क्षमता-

भारत में वर्तमान में 25 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 8880 मेगावाट है। भारत सरकार ने 2047 तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को कम से कम 100 गीगावाट तक बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

देश भर में कई नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की योजना बनाई गई है या उन पर काम चल रहा है, जिनमें हरियाणा के गोरखपुर और राजस्थान के माही-बांसवाड़ा में नए संयंत्र शामिल हैं।

भारत में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल और अंतरराष्ट्रीय निगरानी के साथ संचालित किया जाता है, और यहाँ विकिरण का स्तर वैश्विक मानकों से नीचे रहता है।

भारत में वर्तमान में 5 परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर निर्माण कार्य चल रहा है, जिनकी कुल क्षमता 4700 मेगावाट है। इसके अलावा लगभग 12 संयंत्रों को मंजूरी मिल चुकी है जिनकी कुल क्षमता 8400 मेगावाट है, और लगभग 22 अन्य संयंत्रों के लिए स्थान चिन्हित किए जा चुके हैं।

परिवर्तनीय ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केंद्र

परिवर्तनीय ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केंद्र भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग का एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र है। यह कोलकाता में स्थित है और मुख्य रूप से परमाणु विज्ञान में अनुसंधान करता है। इसका सबसे महत्वपूर्ण उपकरण 224 सेमी साइक्लोट्रॉन है, जो 1977 से काम कर रहा है। यह केंद्र मूलभूत और अनुप्रयुक्त नाभिकीय विज्ञान में अनुसंधान करता है और उन्नत कण त्वरक विकसित करता है। 224 सेमी साइक्लोट्रॉन- भारत में अपनी तरह का पहला है। च130 और च500 साइक्लोट्रॉन- बुनियादी विज्ञान अनुसंधान के लिए भारी-आयन बीम प्रदान करते हैं। साइक्लोन-30- कैंसर निदान के लिए रेडियोफार्मास्युटिकल्स के उत्पादन के लिए एक चिकित्सा साइक्लोट्रॉन। रेडियोधर्मी आयन बीम सुविधा- अस्थिर और दुर्लभ आयन बीम के लिए एक आगामी परियोजना का हिस्सा।

भारत सरकार के पत्र सूचना ब्यूरो के जम्मू कश्मीर और मुंबई स्थित कार्यालय द्वारा जम्मू कश्मीर के पत्रकारों का 9 अक्टूबर का मुंबई स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग का दौरा अप्रत्याशित रूप से रोचक, ज्ञानवर्धक और सफल रहा।

परमाणु ऊर्जा विभाग की ओर से श्री राजीव दास, न्यूक्लियर कंट्रोल प्रोजेक्ट्स विंग और श्री डेनियल बाबू, हेड, पब्लिक अवेयरनेस तथा मीडिया इंटरेक्पशन ने विभाग की कार्य प्रणाली और उपलब्धियां की जानकारी दी। जम्मू कश्मीर के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो की निदेशक नेहा जलाली कर रही थीं। विभाग के गणमान्य वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के साथ संवाद और वार्तालाप द्वारा काफी सीमा तक यह स्पष्ट हुआ कि देश के विकास में परमाणु ऊर्जा का कितना बड़ा और व्यापक महत्व है।

आईए, जो जानकारी हमें वहां से प्राप्त हुई और इस संदर्भ में जो कुछ अन्य संबंधित स्रोतों से जुटाई गई, उसे आपके साथ भी साझा करते है-

भारत में परमाणु ऊर्जा का विकास डॉ. होमी जहाँगीर भाभा के नेतृत्व में 1940 के दशक में शुरू हुआ। इसका उद्देश्य शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग करना था।

उधर 1945 में पहला परमाणु विस्फोट 6 अगस्त 1945 को हिरोशिमा पर हुआ और दूसरा 9 अगस्त 1945 को नागासाकी पर हुआ था, इधर वर्ष 1945 में ही भारत के डॉ. भाभा ने मुंबई में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की स्थापना की, जो परमाणु विज्ञान के लिए एक प्रमुख केंद्र बना।

स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत 1948 में भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा अधिनियम पारित किया और परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की, जिसके पहले अध्यक्ष डॉ. भाभा बने।

20 दिसंबर, 1951 को अमेरिका के इडाहो में प्रायोगिक प्रजनक रिएक्टर-1 में, परमाणु विखंडन से उत्पन्न ऊष्मा से चार 200-वाट के बल्बों को बिजली दी गई थी। इस तरह पहली बार परमाणु ऊर्जा का उपयोग करके बिजली के बल्ब जलाए गए। यह परमाणु युग की एक महत्वपूर्ण शुरुआत थी।

वर्ष 1954 में भारतीय परमाणु ऊर्जा विभाग का गठन किया गया, जो आज भी सीधे प्रधानमंत्री के अधीन कार्य करता है। 1954 में ही भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की स्थापना ट्रांबे में परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान के रूप में हुई और 1967 में इसका नाम बदला गया।

1956 में भारत के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा ने काम करना शुरू किया, जिसे भारत ने ब्रिटेन से मिले ईंधन की मदद से बनाया था।

29 जुलाई 1957 को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की स्थापना एक स्वायत्त संगठन के रूप में हुई। इसकी नींव राष्ट्रपति आइजनहावर द्वारा शांति के लिए परमाणु (अटम्स फॉर पीस) प्रस्ताव के अमेरिकी अनुसमर्थन के साथ रखी गई।

1960 में कनाडा के सहयोग से बने सिरस रिएक्टर ने काम करना शुरू किया, जिसने अनुसंधान और प्लूटोनियम उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1969 में भारत का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र महाराष्ट्र के तारापुर में शुरू हुआ, जिसे अमेरिका की मदद से बनाया गया था।

8 अगस्त 1985 को भारत के सबसे बड़े परमाणु अनुसंधान रिएक्टर ध्रुव को क्रांतिक किया गया। ध्रुव मुंबई में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में स्थित है। इसका उपयोग मुख्य रूप से हथियार-ग्रेड प्लूटोनियम के उत्पादन और रेडियोआइसोटोप के उत्पादन के लिए किया जाता है।

मूल अप्सरा रिएक्टर को 2009 में बंद कर दिया गया था। अब अप्सरा 2, जो कि अप्सरा-यू या अप्सरा-अपग्रेडेड के नाम से जाना जाता है, भारत के पहले परमाणु रिएक्टर, अप्सरा का एक उन्नत और उच क्षमता वाला संस्करण है। यह भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र , ट्रॉम्बे में स्थित है और इसने 10 सितंबर 2018 को फिर से काम करना शुरू किया था। , लेकिन अप्सरा-यू स्वदेशी रूप से निर्मित है और इसमें कम समृद्ध यूरेनियम का उपयोग होता है। यह रिएक्टर चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए रेडियो-आइसोटोप उत्पादन को लगभग 50त्न तक बढ़ाएगा और परमाणु भौतिकी, पदार्थ विज्ञान और विकिरण परिरक्षण में अनुसंधान के लिए इसका व्यापक उपयोग होगा।

परमाणु ऊर्जा है स्वच्छ, सुरक्षित और हरित

परमाणु ऊर्जा को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित माना जाता है क्योंकि यह ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन नहीं करती है और वायु प्रदूषण को कम करती है। हालाँकि, इसके उपयोग को लेकर परमाणु कचरे के निपटान और दुर्घटनाओं के जोखिमों जैसी चुनौतियाँ भी हैं, जिनके समाधान के लिए सुरक्षा और नियामक मानकों में सुधार पर जोर दिया जाता है।

स्वच्छ और हरित ऊर्जा का हिस्सा-

शून्य-उत्सर्जन परमाणु ऊर्जा संयंत्र संचालन के दौरान लगभग शून्य कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जो इसे जीवाश्म ईंधन की तुलना में एक स्वच्छ विकल्प बनाता है। यह जीवाश्म ईंधन, सौर और पवन ऊर्जा की तुलना में प्रति यूनिट बिजली के लिए कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करता है।

परमाणु ऊर्जा को जलवायु परिवर्तन से निपटने और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण और विश्वसनीय स्रोत के रूप में देखा जाता है।

सुरक्षित और विश्वसनीय

परमाणु ऊर्जा एक विश्वसनीय और निर्बाध ऊर्जा स्रोत प्रदान करती है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की कुछ सीमाओं को दूर कर सकती है। हाल के दशकों में, बेहतर तकनीकों और प्रक्रियाओं के साथ परमाणु सुरक्षा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, हालांकि अतीत में दुर्घटनाएं हुई हैं। सुरक्षा और विश्वसनीयता के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और सुरक्षा, सुरक्षा और अप्रसार मानकों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

चुनौतियां

परमाणु कचरा- रिएक्टरों से निकले इस्तेमाल किए गए ईंधन (परमाणु कचरे) का सुरक्षित निपटान एक बड़ी चुनौती है, और इसे अनिश्चित काल तक सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने का कोई निश्चित समाधान नहीं है।उच लागत और निर्माण का समय-

परमाणु संयंत्रों के निर्माण में अरबों डॉलर और एक दशक से अधिक का समय लग सकता है, जो कुछ देशों की शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्यों के लिए एक बाधा हो सकता है।

दुर्घटना का जोखिम-

संभावित दुर्घटनाओं के कारण जनता में भय और विरोध है, भले ही ऐसी घटनाओं की संभावना कम हो।

परमाणु ऊर्जा के मुख्य उपयोग

परमाणु ऊर्जा के मुख्य उपयोगों में बिजली उत्पादन (Power) और अन्य अनुप्रयोग (Non-Power) शामिल हैं, जिनमें हीटिंग, चिकित्सा, चिकित्सा इमेजिंग, कृषि विकास, समुद्री प्रणोदन, अनुसंधान और औद्योगिक प्रक्रियाएं शामिल हैं। परमाणु ऊर्जा संयंत्र 24/7 कार्बन-मुक्त बिजली प्रदान करते हैं, जबकि गैर-विद्युत उपयोगों में आवासीय और औद्योगिक हीटिंग के लिए भाप का उत्पादन और चिकित्सा में रेडियोधर्मी समस्थानिकों का उपयोग शामिल है।

बिजली उत्पादन के उपयोग

बिजली ग्रिड के लिए निरंतर बिजली- परमाणु ऊर्जा संयंत्र मौसम पर निर्भर नहीं होते और 24/7 बिजली पैदा कर सकते हैं, जो बिजली की मांग को पूरा करने के लिए एक विश्वसनीय स्रोत है। यह बड़ी मात्रा में कार्बन-मुक्त बिजली उत्पन्न करके वायु गुणवत्ता की रक्षा करता है और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करता है। यह अन्य ऊर्जा स्रोतों के साथ पूरक है जैसे पवन और सौर नवीकरणीय स्रोतों के साथ मिलकर ऊर्जा की मांग को पूरा करने में मदद करता है जब वे उपलब्ध नहीं होते हैं।

गैर-बिजली उपयोग

जिला तापन- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से उत्पन्न भाप का उपयोग सीधे आवासीय और औद्योगिक क्षेत्रों को गर्म करने के लिए किया जा सकता है।

चिकित्सा और अनुसंधान- चिकित्सा में, परमाणु ऊर्जा का उपयोग रेडियोधर्मी आइसोटोप बनाने के लिए किया जाता है जो निदान और उपचार में उपयोग होते हैं। अनुसंधान रिएक्टरों का उपयोग नई तकनीकों के विकास के लिए किया जाता है।

औद्योगिक प्रक्रियाएं- कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं को उच-तापमान भाप की आवश्यकता होती है, जिसे परमाणु ऊर्जा से पूरा किया जा सकता है।

समुद्री प्रणोदन- परमाणु ऊर्जा का उपयोग विमान वाहक, पनडुब्बियों और आइसब्रेकर जहाजों को शक्ति प्रदान करने के लिए किया जाता है, जिससे उन्हें लंबी दूरी तक ईंधन भरने की आवश्यकता नहीं होती है।

अंतरिक्ष अन्वेषण- परमाणु ऊर्जा का उपयोग अंतरिक्ष यान को शक्ति देने और अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर में योगदान

कृषि और फसल की किस्में- कश्मीर में स्थित गुलमर्ग में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र से संबंधित उच उन्नतांश अनुसंधान प्रयोगशाला है, जो गुलमर्ग वेधशाला का संचालन करती है। यह प्रयोगशाला आयनमंडलीय एस क्यू धारा प्रणाली और भूचुंबकीय क्षेत्र का अन्वीक्षण करती है। इसे 1977 में स्थापित किया गया था। यह प्रयोगशाला परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत आती है, जिसका मुख्यालय मुंबई में है, लेकिन यह गुलमर्ग में एक अनुसंधान सुविधा है।

बार्क ने जम्मू-कश्मीर के किसानों के लिए बेहतर फसल पैदावार के लिए विकिरण तकनीक का उपयोग करने के लिए कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर (स्कुआस्ट कश्मीर) के साथ एक समझौता किया है। इसका उद्देश्य केसर, काला जीरा और कश्मीर के ट्यूलिप जैसी विशिष्ट फसलों की जलवायु-स्मार्ट और उच उपज वाली किस्में विकसित करना है। इस सहयोग का लक्ष्य फलों और सब्जियों के भंडारण के जीवनकाल को बढ़ाना भी है, ताकि उन्हें बेहतर कीमतों पर निर्यात किया जा सके।

वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू और बार्क ने छात्रों के बीच वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया है।इन में जवाहर नवोदय विद्यालय, उधमपुर और रियासी भी शामिल हैं। इस कार्यक्रम में परमाणु ऊर्जा और बार्क प्रौद्योगिकियों से संबंधित विभिन्न सत्र और प्रदर्शन शामिल रहे हैं।

तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम

इस प्रकार डॉ. भाभा ने भारत के विशाल थोरियम भंडार के उपयोग के लिए एक महत्वाकांक्षी तीन-चरणीय कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की थी। भारत की परमाणु ऊर्जा की यात्रा आत्म-निर्भरता और स्वदेशीकरण पर केंद्रित रही है, जिसे तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के माध्यम से विकसित किया गया है।

पहला चरण

रिएक्टर- प्राकृतिक यूरेनियम से चलने वाले प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर का उपयोग करना।

लक्ष्य- प्लूटोनियम का उत्पादन करना।

स्थिति- भारत सफलतापूर्वक इस चरण को चला रहा है, गुजरात और राजस्थान में स्वदेशी प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर रिएक्टरों की स्थापना की है।

दूसरा चरण

रिएक्टर- प्लूटोनियम को ईंधन के रूप में उपयोग करने वाले फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का निर्माण।

लक्ष्य- यूरेनियम-238 से अतिरिक्त प्लूटोनियम और थोरियम से यूरेनियम-233 का उत्पादन करना।

स्थिति- तमिलनाडु के कलपक्कम में 500 मेगावॉट का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बनाया गया है।

तीसरा चरण

रिएक्टर- थोरियम-यूरेनियम-233 चक्र पर आधारित उन्नत भारी जल रिएक्टर ।

लक्ष्य- देश के विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना।

स्थिति- इस चरण पर अनुसंधान और विकास का काम चल रहा है।

जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में डी ए सी और बी ए आर सी का योगदान

बी ए आर सी जम्मू कश्मीर और लद्दाख में कृषि विकास, ग्रामीण सशक्तिकरण और वैज्ञानिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र का योगदान मुख्य रूप से वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों, खासकर कृषि, शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के माध्यम से देखा जा सकता है।

लद्दाख में योगदान

वैज्ञानिक अनुसंधान- बार्क ने लद्दाख के हानले में मेजर एटमॉस्फेरिक चेरेनकोव एक्सपेरिमेंट वेधशाला की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का सबसे ऊँचा इमेजिंग चेरेनकोव टेलीस्कोप है, जो समुद्र तल से लगभग 4,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस स्वदेशी टेलीस्कोप का निर्माण बार्क ने इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और अन्य भारतीय उद्योग भागीदारों के सहयोग से किया है। यह वेधशाला भारत को ब्रह्मांडीय-किरण अनुसंधान में सबसे आगे रखती है और सुपरनोवा, ब्लैक होल और गामा-किरण विस्फोटों का अध्ययन करने में मदद करती है।

Government of Jammu & Kashmir

सत्यमेव जयते

Next-Gen GST Reforms

On most daily use items GST is reduced to 0% / 5%

Old GST Rates & New GST

Item	Old GST	New GST
Paneer / UHT Milk / Chhena	5%	0%
Coffee	18%	5%
Butter/ Ghee & Dairy Spreads	12%	5%
Cheese	12%	5%
Packed Parotta	18%	0%
Pizza bread/chapati/roti	5%	0%
Chocolates / Biscuits / Cakes	18%	5%
Namkeen & Mixtures	12%	5%
Pasta / Noodles	18%	5%
Cornflakes	18%	5%
Packed Juices	12%	5%
Tender Coconut Water (Packed)	12%	5%
Drinking Water (20 litre bottles)	12%	5%
Dry Fruits	12%	5%

For more information/grievance contact 01912477303 (Jammu), 01942310595 (Kashmir)

DIP/J-7020/25
Dtd: 16-10-2025

Issued in public interest by State Taxes Department

State Taxes Department J&K @JK_GST_JK jkcomtax.gov.in